दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 82 | जयपुर, शुक्रवार, 01 मार्च, 2024 | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष- षष्ठी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

पांच राज्य.... बीस टीमें और ताबड़तोड़ रेड

कानपुर। आयकर विभाग ने शहर में एक तंबाकू कंपनी के ठिकानों पर रेड मारी है। इसके साथ ही आयकर विभाग की टीम कंपनी मालिक के दिल्ली स्थित आवास पर भी छापेमारी कर रही है। टीम कंपनी और उसके मालिक की असेट्स और आय का मिलान कर रही है, मौके से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और लैपटॉप बरामद किया गया है। बता दें गुरुवार दोपहर आयकर विभाग की टीम ने कानपुर स्थित बंशीधर तंबाकू प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के ठिकानों पर रेड मारी। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने अपना टर्नओवर 20 से 25 करोड़ दिखाया है, लेकिन असल में यह टर्नओवर लगभग 100-150 करोड़ के आसपास है।

जयपुर से अबू धाबी के लिए शुरू होगी सीधी फ्लाइट

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट से अबू धाबी के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होने वाली है। यह फ्लाइट हर दिन सुबह 7:30 बजे अबू धाबी के जायद एयरपोर्ट से जयपुर पहुंचेगी, जबकि सुबह 11 बजे जयपुर एयरपोर्ट से अबू धाबी के जायद एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेगी। एतिहाद एयरवेज द्वारा 11 जून से फ्लाइट को शुरू किया जाएगा। यह प्रतिदिन जयपुर से अबू धाबी और अबू धाबी से जयपुर के लिए उड़ान भरेगी। शुरुआती दिनों में एतिहाद एयरवेज द्वारा 196 यात्रियों की क्षमता वाले विमान का संचालन किया जाएगा।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

1993 के सीरियल बम ब्लास्ट केस में फैसला... पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने भाजपा नेताओं को घेरा

आतंकी टुंडा बरी, दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

बेधड़क | अजमेर

यहां टाडा कोर्ट ने गुरुवार को आतंकी अब्दुल करीम टुंडा को 1993 के सीरियल बम विस्फोट के मामले में बरी कर दिया। टुंडा लश्कर-ए-तैयबा का टॉप आतंकी है, जो बम बनाने में माहिर है। अदालत ने दो आरोपियों इरफान और हमीदुद्दीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। टुंडा इस समय 84 वर्ष का है। 1996 के सोनीपत बम विस्फोट मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद वर्तमान में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। फिलहाल, वह अजमेर जेल में बंद है। बता दें, 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस की पहली बरसी पर चार ट्रेनों में धमाके हुए थे। कोटा, लखनऊ, कानपुर, हैदराबाद, सूरत और मुंबई में धमाके हुए थे। इन बम धमाकों में दो लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

लश्कर का टॉप आतंकी करीम बम बनाने में है माहिर

गणेश उत्सव में बम धमाके की बनाई थी योजना

अब्दुल करीम टुंडा को इन सीरियल बम धमाकों का मास्टरमाइंड माना गया था। टुंडा पर देश के कई जगहों पर आतंकवाद के मामले चल रहे हैं। जानकारी के अनुसार, टुंडा ने युवाओं को भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए ट्रेनिंग दी थी। उसने 1998 में पाकिस्तानी नागरिक जुनैद के साथ मिलकर गणेश उत्सव के दौरान हमला करने की योजना बनाई थी।

दबोचा गया था नेपाल बॉर्डर पर

अब्दुल करीम टुंडा पर पाकिस्तानी आतंकियों के समर्थन से भारत में 40 से अधिक बम विस्फोटों की साजिश रचने का आरोप है। टुंडा को जांच एजेंसी अधिकारियों ने 16 अगस्त 2013 को बनबसा में भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया था। वह देश से नेपाल भागने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले पकड़ा गया। वह जम्मू-कश्मीर के बाहर लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क को फैलाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी था।

डोटासरा का कटाक्ष- पैरवी में कमी रही?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बीजेपी को घेरते हुए मीडिया से बातचीत में कहा-'जयपुर ब्लास्ट में भाजपा नेताओं ने क्या आरोप लगाए थे?, अब ये नेता अजमेर मामले पर क्या कहेंगे, क्या पैरवी करने में कमी रखी गई? जयपुर ब्लास्ट मामले में बीजेपी के जिन-जिन नेताओं ने बयान दिए थे, उनका अजमेर ब्लास्ट मामले में क्या स्टैंड है?

शीर्ष अदालत का राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण फैसला
शादीशुदा बेरोजगार युवाओं के लिए नसीहत भी

राजस्थान में दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी नहीं

- कांस्टेबल भर्ती में इसी ग्राउंड पर रिजेक्ट अभ्यर्थी ने की थी याचिका
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा... इस फैसले में कोई संवैधानिक आपत्ति नहीं

बेधड़क | नई दिल्ली/जयपुर

सुप्रीम कोर्ट ने दो से अधिक संतान होने पर सरकारी नौकरी नहीं देने के राजस्थान सरकार के नियम को बरकरार रखते हुए कहा है कि दो से अधिक बच्चे होने पर सरकारी नौकरी देने से इनकार करने में किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है। वास्तव में इसके पीछे का मकसद परिवार नियोजन को बढ़ावा देना है। पीठ ने कहा कि इस अदालत ने तब माना था कि वर्गीकरण, जो दो से अधिक जीवित बच्चे होने पर उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित करता है, गैर-भेदभावपूर्ण और संविधान के दायरे में है, क्योंकि प्रावधान के पीछे का उद्देश्य परिवार नियोजन को बढ़ावा देना है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने 12 अक्तूबर 2022 के राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ पूर्व सैनिक रामजी लाल जाट की याचिका पर विचार करने से मना कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा था कि नियम नीति के दायरे में आता है और इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। यह फैसला जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस केवी विश्वनाथ की पीठ ने दिया है।

संविधान का उल्लंघन नहीं

कोर्ट ने कहा कि इसमें संविधान का उल्लंघन बिल्कुल नहीं है। राजस्थान सरकार के दो बच्चों वाले नियम पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी देने से इनकार करना भेदभावपूर्ण नहीं है। कहा जा रहा कि राजस्थान सरकार के इस प्रावधान के पीछे का उद्देश्य परिवार नियोजन को बढ़ावा देने का है।

यह नियम पॉलिसी के दायरे में

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि ये नियम पॉलिसी के दायरे में आता है। लिहाजा इसमें कोई दखल देने की जरूरत नहीं है। लाइव लॉ की एक रिपोर्ट की मानें तो सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने 12 अक्टूबर 2022 के राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने पूर्व सैनिक रामजी लाल जाट की याचिका खारिज कर दी है।

सेवा नियम, 1989 के तहत किया खारिज

रामजी लाल जाट ने राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के पद के लिए आवेदन किया था, लेकिन 1 जून 2002 के बाद उसके दो बच्चे से अधिक होने पर आवेदन खारिज कर दिया गया था। दरअसल, 31 जनवरी 2017 को सेना से रिटायर होने के बाद, रामजी लाल जाट ने 25 मई 2018 को राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के पद के लिए आवेदन किया था। उसकी उम्मीदवारी को राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 के नियम 24(4) के तहत इस आधार पर खारिज कर दी गई थी कि 1 जून 2002 के बाद उसके दो से अधिक बच्चे थे, इसलिए वह सरकारी नौकरी के लिए योग्य नहीं है।

यह कहा गया है नियम में

इन नियम में कहा गया है कि कोई भी उम्मीदवार सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा, जिसके 1 जून 2002 को या उसके बाद दो से अधिक बच्चे हों। अदालत ने कहा कि यह निर्विवाद है कि अपीलकर्ता ने राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के पद पर भर्ती के लिए आवेदन किया था। ऐसी भर्ती राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 द्वारा शासित होती है, इसलिए हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

शादीशुदा युवा बेरोजगारों के लिए अहम

प्रदेश के शादीशुदा युवा बेरोजगारों के लिए यह फैसला नसीहत और मार्गदर्शक बनेगा, वहीं जनसंख्या नियंत्रण के लिए भी अहम साबित होगा। विशेष कर जिनके संतान भी हो चुकी है, उन्हें अगर सरकारी नौकरी चाहिए तो तीसरे बच्चा ना हो, इसका ध्यान रखना पड़ेगा।

राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला

अब अविवाहित महिलाएं बन सकेंगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने चयन शर्तों में संशोधन को स्वीकृति दी

बेधड़क | जयपुर

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार को राज्य में महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए अब अविवाहित महिलाओं के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका बनने का रास्ता खोल दिया है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में पहली बार ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। अब राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पदों के आवेदन करने के लिए सभी महिलाएं पात्र होंगी। इसके लिए चयन शर्तों में संशोधन किया गया है। महिला एवं बाल विकास सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि उप मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी मानदेय कर्मियों की चयन शर्तों में संशोधन की स्वीकृति देकर अविवाहित महिलाओं को भी इस क्षेत्र में अवसर देने की पहल की है।

मानदेय में भी 10% वृद्धि

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका और साथिनों के मानदेय में भी 10% की वृद्धि को स्वीकृति दी गई है। बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल माह से शुरू हो जाएगा।

साथिन को बोनस में 4 अंक

राज्य में जो साथिन 2 वर्ष की कार्य निरंतरता का अनुभव रखती है, उन्हें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन करने पर अनुभव में वरीयता दी जाने को स्वीकृति दी गई है। इसके लिए उन्हें बोनस में 4 अंक दिए जाएंगे, जिससे उनका चयन होना और आसान हो जाएगा।

रिटायर्ड जज यूनिवर्सिटी के लोकपाल नियुक्त

दिया था ज्ञानवापी तहखाने में पूजा की अनुमति का फैसला

एजेंसी | लखनऊ

वाराणसी की ज्ञानवापी के दक्षिणी हिस्से में बने व्यास जी के तहखाने में पूजा की अनुमति देने वाले रिटायर्ड जिला जज एके विश्वेश को लखनऊ स्थित यूनिवर्सिटी का लोकपाल नियुक्त किया गया है।

बतौर जिला जज उनके आखिरी कार्यदिवस पर ज्ञानवापी मामले में सुनवाई करते हुए व्यास तहखाने में पूजा की इजाजत देने का फैसला चर्चित रहा था जिसके बाद वहां लगभग दो दशकों के बाद पूजा-अर्चना की शुरुआत हो सकी। अब रिटायर्ड जज एके विश्वेश को डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में तीन साल के लिए लोकपाल बनाया गया है।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार रिटायर्ड जज एके विश्वेश की नियुक्ति यूजीसी के नियमों के तहत की गई है। नियम है कि यूनिवर्सिटीज और उससे संबंधित कॉलेजों व संस्थानों को स्टूडेंट्स की शिकायतों के निपटारे के लिए एक लोकपाल नियुक्त करना जरूरी होगा और यह लोकपाल एक रिटायर्ड कुलपति, रिटायर्ड प्रोफेसर या एक फिर रिटायर्ड जिला न्यायाधीश हो सकता है।

पेपर लीक प्रकरण में एक्शन

आरोपी शिक्षक के पास 15 और पटवारी की 5 करोड़ रुपए की संपत्ति

- दोनों आरोपियों के 14 ठिकानों पर छापे मारे और की गहन सर्च
- एसओजी ने की आरोपियों की संपत्तियों पर कार्रवाई करने की तैयारी
- RPSC और RSSB के पेपर लीक के हैं दोनों पर आरोप

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में आरपीएससी और कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित हुई अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करने वाले सरगना पटवारी हर्षवर्धन मीणा और तृतीय श्रेणी शिक्षक राजेन्द्र यादव की प्रॉपर्टियों पर एसओजी ने कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है। एसओजी की 14 टीमों ने गुरुवार सुबह आरोपी हर्षवर्धन मीणा व राजेन्द्र यादव के खुद के और उनसे जुड़े लोगों के 14 ठिकानों पर छापे मारकर सर्च किया। सर्च के दौरान आरोपियों के पास करोड़ों रुपए की प्रॉपर्टी के दस्तावेज, मार्कशीट, प्रवेश पत्र, ओएमआर सीट, प्रश्न-पत्र और कई परीक्षाओं में चयनित होने वाले अभ्यार्थियों की सूची मिली है। एसओजी ने उन दस्तावेजों की भी जांच शुरू कर दी है। एसओजी के एडीजी वीके की मॉनिटरिंग और एडिशनल एसपी बजरंग सिंह के सुपरविजन में कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसओजी की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों द्वारा अवैध रूप से कमाई गई राशि से प्रॉपर्टियों की खरीद-फरोख्त की है। हर्षवर्धन मीणा की प्रॉपर्टी करीब 5 करोड़ रुपए और राजेन्द्र यादव की 14 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी होने के दस्तावेज मिले हैं। अब एसओजी नए कानून के तहत प्रॉपर्टियों को अटैच कराने की कार्रवाई तो करेगी, साथ ही मामले की जांच के लिए ईडी को पत्र लिखेगी, ताकि आरोपियों के खिलाफ अलग से ईडी मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई कर सके।

पटवारी हर्षवर्धन मीणा — शिक्षक राजेन्द्र यादव

राजेन्द्र के ठिकानों पर यह मिला

एसओजी की सर्च की कार्रवाई के दौरान राजेन्द्र के ठिकानों पर कई छात्रों के माध्यमिक शिक्षा की अंक तालिकाओं की फोटो प्रति, प्रश्न-पत्र, आरपीएससी अजमेर द्वारा आयोजित हुई उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के साक्षात्कार की सूची की फोटो प्रति, महिला सुपरवाइजर लेब असिस्टेंट, कृषि अन्वेषण भर्ती समेत अन्य परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थियों की सूची की फोटो प्रति, ओएमआर सीट की फोटो प्रतियां, शिघ्र लिपिक भर्ती परीक्षा 2018 के प्रश्न पत्रों व उत्तर कुंजी की फोटो प्रतियां मिली है। जबकि सहयोगी गोपाल के घर पर कर्मचारी चयन बोर्ड व मंत्रालिक चयन बोर्ड रीट 2021 के खाली लिफाफे, एसआई भर्ती के दस्तावेज व प्लाट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा राजेन्द्र के पास में 13 फ्लैट और कई प्लॉट होने के दस्तावेज मिले हैं, जिनकी कीमत 50 लाख रुपए से लेकर 7 करोड़ रुपए तक है।

यह मिला हर्षवर्धन के यहां

पटवारी हर्षवर्धन मीणा के जगतपुर और दौसा स्थित आवासों को सील किया गया। जबकि दौसा आवास पर एपीआरओ परीक्षा, पटवारी भर्ती परीक्षा, फोरेस्ट गार्ड भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्र व चयनित अभ्यार्थियों की सूची मिली है। उसके ससुराल में पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के एडमिट कार्ड व स्कैन किए प्रश्न पत्र की फोटो प्रतियां मिली हैं। आरोपी हर्षवर्धन ने वर्ष 2018 से अब तक दौसा के सलिमपुर, छोंकरवाड़ा, रोथड़ा व गोवर्धन वाटिका में 10 लाख से 1.50 करोड़ तक की जमीनें व प्लाटों की खरीद-फरोख्त की है। वहीं, जगतपुरा में लाखों रुपए का बंगला खरीदा है। उसकी प्रॉपर्टियों की कीमत करीब पांच करोड़ रुपए आंकी गई है।

जरूरी खबर

पर्यटन विभाग को मिला सर्वेक्षण का पुरस्कार

बेधड़क.जयपुर। राजस्थान पर्यटन विभाग को उदयपुर से माउंट आबू, सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय सड़क स्थलों की श्रेणी में पर्यटन सर्वेक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार ने राजस्थान पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ को उदयपुर से माउंट आबू, सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय सड़क स्थलों की श्रेणी में पर्यटन सर्वेक्षण पुरस्कार से नई दिल्ली में सम्मानित किया। 'देश भर में पर्यटन को कैसे बढ़ावा दिया जाए' विषय पर विचार मंथन किया गया। साथ ही राज्यों में पर्यटन रणनीति में संशोधन विषय पर भी चर्चा हुई।

महेंद्रजीत सिंह मालविया का त्याग पत्र किया स्वीकार

बेधड़क.जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बांसवाडा जिले के बागीदौरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य महेंद्रजीत सिंह मालवीय का स्वेच्छा से दिए गए विधानसभा की सदस्यता से त्याग पत्र को स्वीकार कर लिया है। इस संबंध में विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बुलेटिन जारी किया। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने पिछले दिनों कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली थी। साथ ही विधायक पद से भी इस्तिफा दे दिया था।

ट्रांसजेंडर्स को अधिकारों के लिए किया जागरूक

बेधड़क.जयपुर। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर ट्रांसजेंडर्स को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के लिए जयपुर और जोधपुर पुलिस आयुक्तालय के अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें सभी नोडल अधिकारियों ने ट्रांसजेंडर्स के साथ संवेदनशील व्यवहार करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला में पुलिस नोडल अधिकारी, स्पेशल इन्वेस्टीगेशन यूनिट, क्राइम अगेंस्ट वीमन के प्रभारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी, ट्रांसजेंडर्स समुदाय के व्यक्ति एवं ट्रांसजेंडर्स समुदाय के लिए कार्य करने वाले एनजीओ ने भाग लिया।

पूर्ववर्ती सरकार के फैसलों की समीक्षा समिति की बैठक में चिकित्सा मंत्री ने कहा- चिरंजीवी के नाम से दिया धोखा

दूसरे राज्यों में अध्ययन करने जाएंगे प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारी

बेधड़क | जयपुर

चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने चिरंजीव योजना को लेकर पूर्ववर्ती सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने चिरंजीव योजना के नाम पर आम जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम किया।

इस स्कीम को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया, जबकि धरातल पर इसकी अलग तरह की तस्वीर रही। उन्होंने कहा कि 100 दिन की कार्य योजना में राजस्थान में नई मेडिकल स्कीम लागू होगी, जिसका अध्ययन करने के लिए जल्द मेडिकल टीम अन्य राज्यों में जाएगी। चिकित्सा स्वास्थ्य

मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासन के अंतिम 6 महीने में लिए गए निर्णय को लेकर मंत्रिमंडलिय कमेटी ने तीसरी बैठक में 35 मामलों पर चर्चा की। इसमें संसदीय विभाग, युवा मामला, देवस्थान, सामाजिक न्याय, चिकित्सा, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, कृषि विभाग, पशुपालन, श्रम विभाग, जन स्वास्थ्य, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, संस्कृत शिक्षा विभाग, आयुष विभाग, शांति एवं अहिंसा विभाग, खान और पेट्रोलियम विभाग, सहकारिता विभाग के मामलों पर चर्चा हुई है। खींवसर ने कहा कि अगले सप्ताह 2 दिन तक लगातार अन्य मामलों पर चर्चा होगी, उम्मीद कर सकते हैं कि अगले सप्ताह तक सभी 200 मामलों पर चर्चा होकर निर्णय की स्थिति में पहुंच जाएंगे। कांग्रेस के आरोपों पर खींवसर ने कहा कि कमेटी किसी भी तरीके से राजनीतिक द्वेष के साथ काम नहीं कर रही है, जो भी मामले हैं उन सब पर निष्पक्षता के साथ में चर्चा हो रही है।

अगर सबसे ज्यादा निर्णय के मामले को देखा जाए तो यूडीएच विभाग के सबसे ज्यादा मामले हैं, जिन पर बारीकी से अध्ययन किया जा रहा है।

पूर्व कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

मेडिकल स्कीम को लेकर गजेंद्र सिंह खींवसर ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी स्कीम को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया। आम जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम कांग्रेस ने किया। हकीकत यह है कि 25 लाख का इलाज एक भी व्यक्ति का नहीं हुआ। पूर्ववर्ती सरकार आयुष्मान योजना से मिलने वाली राशि को पहले यूज करती थी, उसके बाद अपने पास से पैसा लगाती थी, लेकिन हम अब आगामी 100 दिन में नई कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो स्टेट मेडिकल में अव्वल हैं, वहां हम टीम भेज रहे हैं। टीम वहां दौरा करेगी, उसके बाद जो बेहतर हो सकता है, उसे राजस्थान में लागू किया जाएगा।

बढ़ते ब्रेस्ट कैंसर पर जताई चिंता

खींवसर ने महिलाओं में बढ़ते ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के मामले में लगातार बढ़ रहे हैं, मेरी इच्छा है कि हम सीएचसी स्तर पर गाइनेकोलॉजिस्ट को लगाएं ताकि महिलाओं को इसका फायदा मिल सके। खींवसर ने कहा कि आगामी दिनों में मोबाइल वैन के जरिए भी गांवों में महिलाओं के मेकअप के साथ उनमें अवेयरनेस के लिए प्रोग्राम तैयार करेंगे।

राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक में राज्यपाल मिश्र ने कहा...

जिला व तहसील स्तर पर हो वार मेमोरियल की स्थापना

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सिपाही से हवलदार रैंक की पूर्व सैनिकों की विधवाओं को उनकी दो पुत्रियों के विवाह के लिए 25 हजार रुपए अमलगमेटेड फंड से दिए जाने की स्वीकृति दी है। यह केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि के अतिरिक्त होगी।

राज्यपाल मिश्र की अध्यक्षता में राज्य सैनिक बोर्ड एवं अमलगमेटेड फण्ड फॉर द बेनिफिट ऑफ एक्स-सर्विसमेन की 33वीं बैठक राजभवन में आयोजित की गई। इसमें राज्यपाल ने कहा कि अमलगमेटेड फंड का समुचित उपयोग पूर्व सैनिक कल्याण के लिए अधिकाधिक किया जाए। नियमों के कारण कहीं बाधा आ रही है तो संशोधन की कार्रवाई कर सैनिक कल्याण कार्यों को गति दी जाए। सैनिक विश्राम गृहों की अग्रीम राशि में वृद्धि, सैनिक विश्राम गृहों के नियमित कार्मिकों को सातवें वेतनमान के परिलाभ देने, सशस्त्र सेना झंडा दिवस की राशि में बढ़ोतरी करने, पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए प्रदत्त विभिन्न आवश्यक व्यय आदि के संबंध में कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रदेश में जिला और तहसील स्तर पर 'वार मेमोरियल' की स्थापना की जाए, जिससे लोगों में राष्ट्र भक्ति के भावों का संचार हो सके। उन्होंने पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और आश्रितों से सबंधित योजनाओं और निर्णयों पर संवेदनशीलता रखते हुए प्रस्ताव तैयार कर उन पर विभागों द्वारा प्रभावी कार्य किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में सैनिक कल्याण मंत्री, मुख्य सचिव सहित सेना और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने सैनिक कल्याण बोर्ड से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी दी। सैनिक कल्याण अधिकारी ब्रिगेडियर वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के बारे में विस्तार से प्रस्तुतिकरण देते हुए बिंदुवार कार्य प्राथमिकताओं के बारे में बताया।

संपर्क पोर्टल पर सैनिकों के लिए बने अलग खंड

बैठक में द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लेने वाले ऐसे पूर्व सैनिकों एवं विरांगनाओं को जिन्हें अन्य किसी स्रोत से पेंशन नहीं मिल रही उनकी पेंशन वृद्धि, ऑपरेशन कैक्टस लिली के दौरान घायल परिवार के सदस्य के नियोजन, न्यायालय संबंधी प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण, शहीद आश्रितों तथा शौर्य पदक धारकों को नियमानुसार भूमि आवंटन और नकद राशि देने, शहीद की वीरांगना तथा माता-पिता के साथ एक परिचायक (सहयोगी) को निशुल्क यात्रा आदि के प्रस्ताव तैयार कर उनकी व्यवहारिकता का परीक्षण कर कार्रवाई किए जाने पर सहमति जताई गई। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, आश्रितों और वीरांगनाओं की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समस्या निवारण के लिए बने 'संपर्क पोर्टल' पर एक अलग खंड पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए हो ताकि पूर्व सैनिकों, आश्रितों और वीरांगनाओं से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध प्रभावी समाधान हो सके। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा समन्वय रखकर पूर्व सैनिक कल्याण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किए जाने पर भी जोर दिया।

केंद्र की योजनाओं से सैनिकों का बढ़ा सम्मान

सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से भारतीय सैनिकों का मान सम्मान बढ़ा है। उन्होंने अग्निवीर योजना, वन रैंक वन रैंक पेंशन आदि के बारे में बताते हुए कहा कि राजस्थान सरकार स्तर पर भी इसी तर्ज पर सैनिक कल्याण के कार्य तेजी से किए जाएंगे। उन्होंने जिला और तहसील स्तर पर वार मेमोरियल बनाए जाने, वहां राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत करने वाले कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और सैनिक कल्याण कार्यों, समस्याओं के निदान में आधुनिकीकरण अपनाते हुए कार्य किए जाने पर जोर दिया। भारतीय सेना के एजुकेशन सर्टिफिकेट को मान्य किए जाने पर भी राज्य सरकार स्तर पर विचार कर कार्रवाई की जाएगी।

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा...

मुगलों के कारण शुरू हुई रात में विवाह की परंपरा, इनको महान बताना गलत

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के हवामहल से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा- जितने भी बाहरी राजा भारत में आए थे, उन्होंने देश को लूटने का काम किया है। इन लोगों की वजह से हमारे देश में कई परंपराओं में बदलाव किया गया।

भारत में सूर्य को साक्षी मानकर फेरे हुआ करते थे, लेकिन जब से भारत में मुगलों ने आक्रमण किया। उसके बाद से दिन में शादी और फेरे की रस्म होना बंद हो गई, क्योंकि तब मुगल बहन-बेटियों को उठाकर ले जाते थे, इसलिए उनसे छुपाकर रात में फेरे की रस्म शुरू की गई। विधायक बालमुकुंदाचार्य गुरुवार को जयसिंहपुरा खोर में 11 कुंडीय महायज्ञ के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्कूलों के सिलेबस से मुगल शासकों को हटाने की बात कही है।

बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि यह विदेशी आतंकवादी थे, भारत में लूट और हिंसा की वारदातें की थी। ऐसे में इनको महान बताना सरासर गलत है। इन लोगों की तो चर्चा तक नहीं होनी चाहिए, सिलेबस में इनको पढ़ाना तो बहुत दूर की बात है। उन्होंने कहा कि अकबर नहीं महाराणा प्रताप और शिवाजी महान हैं, जिन्होंने मातृभूमि को बचाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान

दिया। हमारे देश में कोई बाबर को, तो कोई अकबर को महान बता देता है, लेकिन इतिहास देखते हैं तो पता चलता है कि इन्होंने भारत को लूटने के अलावा कोई और काम नहीं किया। इसलिए मैं चाहता हूं कि विदेशी आक्रांताओं (मुगलों) को स्कूलों के सिलेबस से हटा देना चाहिए। बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि जब मैं दिल्ली जाता हूं, तो अकबर रोड का नाम सुनकर मुझे पीड़ा होती है, क्योंकि जिस अकबर ने हमारे देश पर आक्रमण किया। हमने उसी की याद में सड़क का नामकरण कर दिया।

मुगलों के नाम से न तो किसी सड़क और न ही किसी शहर का नाम होना चाहिए। इसलिए मैं देश के और सभी राज्यों के शिक्षा मंत्री से भी यह निवेदन करता हूं कि वह मुगलों को हटाकर हमारे देश के वीरों को सिलेबस में जोड़ें, ताकि देश की युवा पीढ़ी हमारे देश का सही इतिहास जान सके।

सिंधी कैंप बस स्टैंड को ISBT हब बनाने को लेकर बैठक

शहर में बनेंगे 4 सेटेलाइट बस टर्मिनल

बेधड़क | जयपुर

रोड़वेज परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने गुरुवार को परिवहन विभाग की बैठक ली। इसमें उन्होंने कहा कि सिंधी कैंप को विश्वस्तरीय एकीकृत आईएसबीटी हब बनाने के लिए अधिकारी भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्शन प्लान तैयार करें।

उन्होंने इसके लिए हीरापुरा बस टर्मिनल को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप मे विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट की तर्ज पर बस स्टैंड की भी मेट्रो स्टेशनों से निर्बाध रुप से कनेक्टीविटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गुहा हीरापुरा, जवाहर

नगर, प्रतापनगर और विद्याधर नगर में सेटेलाइट बस टर्मिनल बनाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके विकास के लिए हितधारकों के साथ विभिन्न विकल्पों पर भी चर्चा की। बैठक में राइट्स लिमिटेड के पदाधिकारियों ने सेटेलाइट बस टर्मिनल के मार्केट सर्वे, व्यवहारिकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात) डॉ. हवा सिंह घुमरिया, परिवहन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोडा, जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक रामअवतार मीना, पुलिस उपायुक्त (यातायात) सागर, रोडवेज की कार्यकारी निदेशक अनीता मीना सहित जेडीए एवं जयपुर मेट्रो के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जेजेएम का कार्य समय पर नहीं तो होगी कार्रवाई

जलदाय मंत्री की अधिकारियों को चेतावनी

बेधड़क | जयपुर

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि प्रदेश में अंतिम छोर तक आमजन को पेयजल पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके मद्देनजर आगामी गर्मी के मौसम में पेयजल समस्या का समाधान हर हालत में करना है।

विभाग के अधिकारी इसके लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। अधिकारी कंटिजेंसी प्लान तैयार करने के साथ-साथ आमजन को राहत दिलाने के हर संभव प्रयास करें। उन्होंने जल जीवन मिशन का कार्य दिए गए समय में करने के निर्देश दिए। जलदाय मंत्री चौधरी गुरुवार को जलभवन में आयोजित

संभागस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कई निर्देश दिए। चौधरी ने कहा कि जल जीवन योजना के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए जो कार्य अभी तक अधूरे रह गए हैं, उन्हें पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त समय दिया गया है। विभागीय अधिकारी निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य कराना सुनिश्चित करें। इस अवधि में कार्य पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जलदाय मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना के तहत किए जाने वाले कार्यों को पूरी ईमानदारी एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

गरमाई सियासत... नेताओं में वार-पलटवार

यमुना जल समझौते को भाजपा ने बताया सौगात, कांग्रेस ने उठाए सवाल

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान में यमुना जल समझौते को लेकर सियासत गरमा गई है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने यमुना जल समझौते पर सवाल खड़े किए, तो भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी और जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने पलटवार किया।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में इस मामले पर गुरुवार को प्रेसवार्ता की गई। इसमें तिवाड़ी ने पानी से जुड़े इंटर स्टेट मामलों में कांग्रेस ने हमेशा राजस्थान को धोखा देने

का काम किया है। कांग्रेस सरकार के कुकर्मों के कारण राजस्थान को आज तक यमुना का पानी नहीं मिला था, लेकिन अब डबल इंजन की नहीं बल्कि ट्रिपल इंजन की सरकार ने यमुना जल समझौता कर शेखावाटी के चार जिलों को सौगात दी है। तिवाड़ी ने यहां तक कह दिया यमुना जल समझौता लोकसभा चुनाव में यूरिया का काम करेगा। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि यमुना जल समझौते को कांग्रेस पार्टी ने ही गर्त में डाल दिया था। हरियाणा केंद्र और राजस्थान की श्री इन वन या ट्रिपल इंजन की सरकार में हुए समझौते पर पहुंचे हैं। तिवाड़ी ने कहा कि फ्लड वाटर और बहते हुए पानी में अंतर है। समझौता फ्लडवाटर का हुआ था, तय हुआ था कि ताजेवाला ओखला हेडवर्क से यमुना का पानी भरतपुर में आएगा। ताजेवाला को बदलकर हथिनी कुंड बैराज का पानी शेखावाटी में आएगा।

चार जिलों को मिलेगा पानी

घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि डोटासरा कह रहे हैं, तो सुन लें, भूलने की बीमारी तो बुढ़ापे में होती है जवानी में नहीं। तत्कालीन जल संसाधन मंत्री नितिन गडकरी, मनोहरलाल खट्टर और अशोक गहलोत के बीच 0.6 क्यूसेक पानी का समझौता हुआ था। अब 1917 क्यूसेक पानी यमुना से राजस्थान को मिलेगा।

समझौता वरदान साबित होगा: रावत

जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत, पूर्व केंद्रीय जल शक्ति मंत्री नितिन गडकरी और हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर के बीच जब समझौता हुआ था, तो राजस्थान को मात्र 0.6 क्यूसेक पानी मिलना था। अब राजस्थान को 1917 क्यूसेक पानी मिलेगा। शेखावाटी की जनता के लिए यह समझौता वरदान साबित होगा।

हरियाणा से एक प्रतिशत भी पानी नहीं मिलने वाला: डोटासरा

वहीं यमुना जल समझौते को लेकर पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और राजस्थान के बीच यमुना जल समझौते पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले ईआरसीपी के समझौते की बात राजस्थान सरकार ने की, फिर यमुना जल समझौते को लेकर अपनी पीठ थपथपाई। राजस्थान की भाजपा सरकार एमओयू के बाद आभार यात्राएं निकाल रही है, लेकिन इसकी हकीकत कुछ और ही है। डोटासरा ने यमुना से पानी के मुद्दे को लेकर पत्रकार वार्ता में कहा कि राज्य सरकार ने ईआरसीपी को लेकर जनता को गुमराह किया है। हरियाणा से एक बूंद पानी नहीं मिलने वाला, फिर भी राज्य सरकार जनता को भ्रमित कर रही है। हरियाणा सरकार से पानी की सप्लाई को लेकर डोटासरा ने कहा कि ये समझौता है ही नहीं, ये केंद्र सरकार की लोकसभा चुनाव में एक साजिश है। यमुना के पानी की बात जो यह लोग करते हैं। इसकी शुरुआत 1994 से हुई थी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सरकार ने हरियाणा के सामने सरेंडर किया है। हम इसे पर्ची की सरकार कहते हैं। ये सिर्फ हेलीकॉप्टर में घूमने का काम करते हैं। राजस्थान सरकार अब भ्रमण सरकार बन गई है। डोटासरा ने कहा कि हरियाणा के सीएम मनोहरलाल खट्टर ने कहा है कि बारिश में जो अतिरिक्त पानी आएगा, उसमें से राजस्थान को पानी दिया जाएगा। उस अतिरिक्त पानी में से भी 25 फीसदी पानी हरियाणा लेगा।

जरूरी खबर

अतिक्रमण दस्ते ने 7 ट्रक सामान जब्त किया

जयपुर। नगर निगम जयपुर हेरिटेज ने गुरुवार को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर और उपायुक्त सतर्कता के निर्देशन में अतिक्रमण दस्ते ने मय पुलिस जाप्ता के अस्थाई अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की। दस्ते ने भिंडो का रास्ता, चांदपोल गेट, जोहरी बाजार, जनता मार्केट, सब्जी मंडी, घाटगेट, एमडी रोड, सांगानेरी गेट, शंकर नमकीन भंडार आदि स्थानों के आसपास से सड़कों, फुटपाथों एवं सार्वजनिक स्थलों से से अस्थाई अतिक्रमण हटाए। इस दौरान मौके पर व्यापारियों से 7 ट्रक सामान जब्त किया एवं 29, 000 रुपए केरिंग चार्ज भी वसूल किया।

ढेहर का बालाजी रुकेगी अमरापुर अरावली एक्सप्रेस

जयपुर। श्रीगंगानगर-बांद्रा टर्मिनस-श्रीगंगानगर अमरापुर अरावली एक्सप्रेस रेल अब ढेहर का बालाजी रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस-श्रीगंगानगर अमरापुर अरावली एक्सप्रेस ट्रेन को जेडआरयूसीसी सदस्य आंचल अवाना ने ढेहर का बालाजी रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण कुमार मीना ने बताया कि गाड़ी संख्या 14702, बान्द्रा टर्मिनस- श्रीगंगानगर अमरापुर अरावली एक्सप्रेस रेलसेवा ढेहर का बालाजी स्टेशन पर शाम 6:11 बजे आएगी व 6:13 बजे जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14701, श्रीगंगानगर-बान्द्रा टर्मिनस अमरापुर अरावली एक्सप्रेस रेलसेवा शुक्रवार से ढेहर का बालाजी स्टेशन पर 8:38 बजे आएगी व 8:40 बजे जाएगी।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने किया औचक निरीक्षण, हर सेक्शन में फाइलें मांगी

न हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर चैंबर में मिले और ना ही सचिव!

बेधड़क | जयपुर

हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय में गुरुवार को सुबह सवा नौ बजे तक न हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर कमिश्नर इंद्रजीत सिंह पहुंचे थे और ना ही सचिव सीमा कुमारी अपने चेंबर में मौजूद थीं। मुख्य सचिव सुधांश पंत गुरुवार सुबह जब अचानक हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय पहुंचे तो वहां का यह नजारा था। बाद में मुख्य सचिव के दौरे की सूचना मिलने पर इंद्रजीत सिंह करीब 9:35 बजे मुख्यालय पहुंचे। सचिव सीमा कुमारी भी मुख्य सचिव के पहुंचने के 15 मिनट बाद मुख्यालय पहुंचीं। सुबह करीब

9:15 बजे मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति देखी और फाइलों की पेंडेंसी देखी। पंत के दौरे की सूचना मिलने के बाद एक-एक करके अधिकारियों और कर्मचारियों का पहुंचना शुरू हो गया।

डेढ़ महीने में कई ऑफिसों का दौरा

बता दें कि सरकार गुड गर्वनेंस और आमजन को राहत देने के उद्देश्य से सरकारी विभागों में अधिकारियों-कर्मचारियों की टाइमिंग पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि आमजन के काम समय पर हो सके। इसको देखते हुए खुद मुख्य सचिव सुधांश पंत पिछले डेढ़ महीने के दौरान कलेक्ट्रेट, जेडीए और नगर निगम समेत कई विभागों का औचक निरीक्षण कर चुके हैं। जेडीए के निरीक्षण के दौरान जेडीए सचिव, जोन उपायुक्त और अति. आयुक्त के चैंबर में नहीं मिलने पर उनको एपीओ कर दिया था।

जयपुर कलेक्टर रह चुके हैं पंत

1991 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी सुधांश पंत जयपुर में कलेक्टर रह चुके हैं। सरकार ने उन्हें अगस्त 2002 में जयपुर कलेक्टर बनाया था। इससे पहले वे ट्रेनिंग के दौरान 1994 में जयपुर उपखण्ड अधिकारी के तौर पर काम कर चुके हैं। 2010 में जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त रह चुके हैं।

काम की डिस्पोजल टाइमिंग पर बात

देरी से पहुंचने पर कमिश्नर खुद मुख्य सचिव के साथ एक-एक सेक्शन में गए और वहां की कार्यप्रणाली के बारे में मुख्य सचिव को बताया। इस दौरान मुख्य सचिव ने एक-एक सेक्शन में कर्मचारियों से रेंडमली फाइलों को मांगा और उनकी स्टेट्स रिपोर्ट देखी। मुख्य सचिव ने वहां मौजूद कर्मचारियों से उनके काम के बारे में पूछा और उनकी काम की डिस्पोजल टाइमिंग पर भी बात की।

तीन साल से फरार चल रहे आरोपी को एसओजी ने किया गिरफ्तार

10 लाख में जगदीश बिश्नोई ने खरीदा था JEN भर्ती परीक्षा पेपर

आरोपी ने स्कूल के अध्यापक से पेपर खरीदकर पटवारी हर्षवर्धन को कराया था उपलब्ध

बेधड़क | जयपुर

कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा वर्ष 2020 में आयोजित कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाले जगदीश बिश्नोई को एसओजी ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी जगदीश बिश्नोई ने पेपर खातीपुरा स्थित शहीद दिग्विजय सिंह सुमेल राउमा विद्यालय में कार्यरत राजेन्द्र यादव को 10 लाख रुपए देकर स्ट्रांग रूम से लीक कराया था। इसके बाद पेपर को जगदीश बिश्नोई ने हर्षवर्धन को मोटी रकम लेकर दिया था और हर्षवर्धन ने यह पेपर सेकड़ों से करोड़ों रुपए की राशि लेकर परीक्षा के दो घंटे पहले उपलब्ध कराया था। एसओजी अब जगदीश बिश्नोई, राजेन्द्र यादव व हर्षवर्धन को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर रही है। इस मामले में गिरफ्तार चल रहे राजू यादव, शिवरतन मोट और रमेश कालेर से भी पूछताछ की जा रही है। सभी आरोपी पुलिस रिमांड पर चल रहे हैं। इस मामले में एसओजी अब तक 30 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पेपर का फोटो करवाकर स्कूल से बाहर निकाला था

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि जेईएन भर्ती परीक्षा का पेपर लेने के लिए जगदीश बिश्नोई ने स्कूल के तृतीय श्रेणी शिक्षक राजेन्द्र यादव से संपर्क किया था। राजेन्द्र यादव ने पेपर की फोटो देने के लिए 10 लाख रुपए में सौदा तय किया था। राजेन्द्र यादव ने पेपर की फोटो ली थी और इसके बाद में जगदीश बिश्नोई ने पेपर लेने के लिए गैंग के सदस्य को भेजा था। जहां से गैंग के सदस्य ने पेपर की फोटो ली थी और स्कूल से बाहर आकर जगदीश बिश्नोई को वाट्सएप पर भेजी थी। इसके बाद में हर्षवर्धन को पेपर शेयर किया था।

तीन साल पहले घुमरिया ने किया था गिरफ्तार

नकल कराने और पेपर लीक कराने का जगदीश बिश्नोई मास्टर माइंड है। पिछले 15 साल से नकल कराने व पेपर लीक करने का काम कर रहा है। पुलिस आरोपी जगदीश बिश्नोई को एक दर्जन से ज्यादा नकल व पेपर लीक करने के मामलों में गिरफ्तार कर चुकी है। इससे पहले जगदीश बिश्नोई को जयपुर रैंज में आईजी के पद पर रहते हुए हवा सिंह घुमरिया ने गिरफ्तार किया था। जमानत पर बाहर आने के बाद बिश्नोई फिर से पेपर लीक व नकल कराने की वारदातें करने लगा।

दिल्ली में कल से होगा शुभारंभ

शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप में हमारे पांच खिलाड़ियों का चयन

बेधड़क| जयपुर

शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप के लिए राजस्थान के 5 खिलाड़ियों का सिलेक्शन हुआ है। इनमें 3 पुरुष खिलाड़ी जसविंदर सिंह, संजय शर्मा और सुशील शर्मा और 2 महिला खिलाड़ी प्रेरणा राठौड़ और शिरीन खान शामिल हैं।

एशियन शूटिंग बॉल फेडरेशन के एग्जीक्यूटिव मेंबर और राजस्थान शूटिंग बॉल संघ के महासचिव ओपी माचरा ने बताया कि शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप के हरियाणा में ट्रायल कैंप आयोजित किया गया था। इसमें शूटिंग बाल फैडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव रवींद्र सिंह तोमर, शूटिंग बॉल फैडरेशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष जयप्रकाश कादयान, शूटिंगबॉल इंडिया टीम के सिलेक्टर मनोज कुमार ने हिस्सा लिया था। इसमें कैंप में देशभर के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

बता दें कि 2 और 3 मार्च को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शूटिंगबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राजस्थान के रफीक खान को रेफरी, आर पी सहरावत को महिला टीम का मैनेजर और सुनिल बैंसला और भूपेंद्र त्यागी को ऑफिशियल नियुक्त किया है। माचरा ने बताया कि इस वर्ल्डकप शूटिंगबॉल के लिए कनाड़ा, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, भारत, भूटान, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के खिलाडी हिस्सा लेंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

शिक्षक भर्ती मामले में RSSB चेयरमैन 7 को होंगे पेश

HC ने मांगा 3 साल की भर्ती का रिकॉर्ड

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड (आएसएसबी) के चेयरमैन को पिछले तीन सालों में हुई भर्ती परीक्षाओं के रिकॉर्ड के साथ सात मार्च को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा है। दरअसल जस्टिस समीर जैन की अदालत गुरुवार को टीचर ग्रेड थर्ड लेवल-1 की भर्ती मामले में सुनवाई कर रही थी। कोर्ट के सामने आया कि बोर्ड की प्रारम्भिक आंसर-की और फाइनल आंसर-की में बड़े पैमाने में परिवर्तन देखने को मिलता है,

जिसके चलते चयन से बाहर हुए अभ्यर्थी बड़ी संख्या में कोर्ट पहुंचते हैं। इस भर्ती परीक्षा में भी कई अभ्यर्थियों के उत्तर प्रारम्भिक आंसर-की में सही थे, लेकिन फाइनल आंसर-की में बोर्ड ने उन्हें गलत मान लिया। इसके चलते बड़ी संख्या में अभ्यर्थी चयन से बाहर गए। इस पर कोर्ट ने बोर्ड से पूछा है कि प्रारम्भिक आंसर-की भी बोर्ड ही तैयार करता है। वहीं, फाइनल आंसर-की भी बोर्ड एक्सपर्ट द्वारा तैयार की जाती है। ऐसे में इसमें इतना परिवर्तन किस आधार पर किया जाता है। वहीं बोर्ड को यह भी बताने के लिए कहा गया है कि आंसर-की में परिवर्तन करने से कितनी भर्ती परीक्षाओं के फाइनल परिणाम में परिवर्तन हुआ है। कोर्ट ने बोर्ड चेयरमैन से पिछले तीन सालों में हुई भर्ती परीक्षाओं का ब्यौरा मांगा है।

सुबह 10 से शाम 5 बजे तक चार शिफ्टों में होगी कटौती

चालीस कॉलोनियों में आज बिजली CUT

बेधड़क | जयपुर

राजधानी की 40 से ज्यादा कॉलोनियों में शुक्रवार को बिजली बंद रहेगी। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अलग-अलग चार शिफ्टों में कटौती होगी। बिजली कंपनी इन इलाकों में मेंटेनेंस करेगी। इस कारण सप्लाई प्रभावित होगा। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक के लिए प्रताप नगर क्षेत्र में सेक्टर 26 में 263, 264, 265, 266, केर के बालाजी और आसपास के इलाकों में कटौती होगी। मानसरोवर क्षेत्र में सेक्टर 140, सेक्टर 150

से 153, सेक्टर 115 से 119, सेक्टर 91 से 94, शिप्रापथ, विवेकान्द स्कूल के आसपास, गायत्री नगर विस्तार कॉलोनी और आसपास के इलाके प्रभावित होंगे। सांगानेर क्षेत्र में रामद्वारा -रामद्वारा पानी की टंकी, राम नगर, कुशल नगर, मारुती फॉलोनी, महावीर नगर और आस पास के इलाकों में बिजली सप्लाई नहीं होगी।

सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक गुलाब विहार, विवेक विहार, अभिषेक बिहार, मां करनी नगर, अनुपम बिहार, गांधी पथ, के आसपास का क्षेत्र प्रभावित रहेगा। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक अम्बाबाड़ी, नेहरू नगर, कालवाड़ रोड, खातीपुरा रोड, पानीपेच, झोटवाडा, सुभाष नगर शोपिंग सेंटर, पीतल फैक्ट्री, बर्फ खाना रोड, दन्त चिकित्सालय, कांवटिया हॉस्पिटल, झोटवाडा रोड, सम्पूर्ण आर पी ए कोलोनी, राष्ट्रपति मैदान, बाजोरिया स्कूल, अमानीशाह रोड, टी बी हॉस्पिटल, इम्पेरियल हॉस्पिटल, शांति नगर, प्रताप लाइन, एन बी सी रोड, जनता नगर, राकड़ी, मजदूर नगर, रावल जी का बंधा और आस पास के क्षेत्र में कटौती होगी। दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक गुर्जर बस्ती, शास्त्रीनगर और आस पास का क्षेत्र प्रभावित होगा।

ICRAN 2024: 'हेड ट्रॉमा सर्जरी के लिए माइक्रोसर्जिकल एनाटॉमी' पर प्री कॉन्फ्रेंस कार्यशाला

न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन में पहली बार हुआ '3डी एक्सोस्कोप' का प्रदर्शन

बेधड़क | जयपुर

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेज इन न्यूरो ट्रोमेटोलॉजी (ICRAN 2024) के तहत गुरुवार को यहां एसएमएस मेडिकल कॉलेज में 'हेड ट्रॉमा सर्जरी के लिए माइक्रोसर्जिकल एनाटॉमी' पर एक प्री कॉन्फ्रेंस कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में 3डी एक्सोस्कोप का उपयोग किया गया। यह प्रदर्शन दुनिया में किसी भी न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन में पहली बार किया गया है। 3डी एक्सोस्कोप माइक्रोसर्जिकल ऑपरेटिंग न्यूरोसर्जन के लिए बेहद उपयोगी उपकरण के रूप में उभर रहा है, जिसमें बहुत आसान संचालन और बेहतर ऑपरेटिव दृष्टि है। इसके माध्यम से न्यूरो सर्जन, न्यूरो सर्जरी के दौरान सर्जरी के हिस्से को 3डी चश्मे और 3डी मॉनिटर के साथ बड़े आकार में देख सकता है, जिससे बेहद जटिल सर्जरी सुगम हो जाती है

पैनल चर्चा में सामने आई महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. इयपे चेरियन ने प्रासंगिक शरीर रचना के साथ एक्सोस्कोप के व्यावहारिक अनुभव साझा किए। एनाटॉमी और फिजियोलॉजी को डॉ. जेकेबीसी पार्थिबन (चेन्नई) द्वारा समझाया गया और डॉ. डैनियल रॉय (मंगोलिया) ने हेड ट्रॉमा में माइक्रोसर्जरी के अपने अनुभव साझा किए। मारियो गनाऊ (यूके) और डॉ. अफसल शराफुद्दीन (जर्मनी) ने हेड ट्रॉमा प्रदर्शन और विच्छेदन में माइक्रोसर्जरी के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभव बताए। इसके बाद हुई पैनल चर्चा रेजिडेंट्स और युवा न्यूरोसर्जनों के लिए बहुत उपयोगी रही।

अस्पताल पूर्व देखभाल से जुड़े नवाचारों पर चर्चा

दूसरी कार्यशाला में कोलंबिया के डॉ. एंड्रियास एम. रुबियानो ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में न्यूरोट्रॉमा में अस्पताल पूर्व देखभाल से जुड़े नवाचारों पर बात की। संगोष्ठी को विशेष रूप से आपातकालीन चिकित्सा प्रणाली के सभी सदस्यों, प्री-हॉस्पिटल और अस्पताल के कर्मचारियों दोनों के लिए विकसित किया गया था। आपात स्थिति में प्री-हॉस्पिटल न्यूरोट्रॉमा देखभाल के महत्वपूर्ण चरणों में शामिल है। संगोष्ठी में सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में न्यूरोट्रॉमा के रोगियों की व्यापक देखभाल के लिए मौलिक अवधारणाएं, सिफारिशें, कौशल और क्षमताओं पर विचार हुआ। सर्वोत्तम उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों से विकसित न्यूरोट्रॉमा के प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश और प्रोटोकॉल, प्रीहॉस्पिटल टीबीआई परिणामों पर ईएमएस प्रभाव वीडी सिन्हा और दिशा-निर्देशों एवं प्रोटोकॉल में नए रुझानों की समीक्षा रुबियानो एएम (कोलंबिया) ने की। कल सुबह से तीन दिन की कॉन्फ्रेंस शुरू होगी।

जरूरी खबर

बांदीकुई से जुड़ें दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे

बांदीकुई। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाईवे को बांदीकुई से जोड़ने की मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद एवं विधायक के नेतृत्व में गुरुवार को केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने मांग को केंद्रीय मंत्री के सामने रखा। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि बांदीकुई क्षेत्र से होते हुए दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाईवे गुजर रहा है। इसके अलावा इस एक्सप्रेस हाईवे से जयपुर को कनेक्ट करने के लिए एक नया हाईवे बन रहा है। लेकिन दोनों हाईवे को बांदीकुई से नहीं जोड़ा गया।

शराबी पति ने फावड़े से की पत्नी की हत्या

भरतपुर। डीग थाना क्षेत्र के गांव पथरोड़ा में शराब के आदि पति ने अपनी पत्नी का कत्ल कर दिया। जनुथर थानाधिकारी धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि गांव पथरोड़ा में मृतक बबीता अपने खेत पर गई हुई थी। पीछे से उसका पति भी वहां पहुंच गया। इसके बाद दोनों में विवाद हो गया। इस दौरान खेत पर रखे फावड़े से हरफूल ने बबीता पर हमला कर दिया। इसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्रोदा की ग्रामीणों ने बताया कि हरफूल शराब का आदी है। उसके तीन बेटी और एक बेटा है। वह मजदूरी करता है और उससे मिलने वाले पैसों को शराब में उड़ा देता है। इसके चलते पति-पत्नी में झगड़ा रहता था।

झोपड़ी में चल रही हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़

भरतपुर। डीग जिले की पहाड़ी थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने हथियारों की फैक्ट्री पर कार्रवाई की। टीम ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से दो 315 बोर के कट्टे, एक 12 बोर की देसी बंदूक, 15 कारतूस, हथियार बनाने के औजार, 4 आधे बने हुए हथियारों को जब्त किया। आरोपी झोपड़ी में हथियार बनाने की फैक्ट्री चला रहे थे। थाना अधिकारी बनी सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस का जाब्ता धोलेट गांव की लोहार बस्ती पहुंचा। वहां एक झोपड़ी के अंदर खट-खट की आवाज सुनी। अंदर जाकर देखा तो दो युवक हथियार बना रहे थे। दोनों ने अपना नाम सहसुद्दीन और जमालुद्दीन निवासी धोलेट बताया।

वर्षों से पानी निकासी की समस्या से परेशान लोगों के सब्र का बांध टूटा

पेयजल का जायजा लेने पहुंचे अधिकारियों को बनाया बंधक

बेधड़क | सीकर

जिले में पानी निकासी की समस्या को लेकर कॉलोनीवासियों के सब्र का बांध गुरुवार को टूट गया। कॉलोनी में पानी की समस्या का निरीक्षण करने गए नगर परिषद के एईएन सहित 2 अधिकारियों को घंटों तक बंधक बना कर रखा।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची और अधिकारियों को लोगों के चंगुल से छुड़वाया। पार्षद सुरेश सैनी ने बताया कि सीकर शहर की वैष्णव व राधा किशनपुरा कॉलोनी में गंदे पानी की निकासी की समस्या पिछले कई दशकों से बनी हुई है। पानी निकासी के लिए न तो नालियां बनाई गई है और न ही कोई बड़ा डैम आस-पास बनाया गया है। इस कारण दोनों कालोनियों का पानी कॉलोनी के बीचो-बीच इकट्ठा हो जाता है। इससे लगातार मौसमी बीमारियां होने का खतरा बना रहता है। साथ ही इकट्ठे हुए पानी के कारण कॉलोनी में रहने वाले लोगों में आए दिन लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं। स्थानीय लोगों ने जल निकासी की समस्या को लेकर काफी बार जिला प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से भी मांग की है और सैंकड़ों बार ज्ञापन दिए हैं, लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी और जनप्रतिनिधि ने इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इसे लेकर कॉलोनी के लोगों को मजबूरन नगर परिषद के अधिकारियों को बंधक बनाना पड़ा।

अधिकारियों के वाहनों पर बैठे लोग

दोनों कालोनियों के लोग नगर परिषद के अधिकारियों की गाड़ी रोक कर उसके ऊपर बैठ गए। लोगों ने गाड़ी को बाहर नहीं जाने देने के लिए आगे पीछे बैरिकेडिंग कर दी और गाड़ियों को घेरकर बैठगए। प्रदर्शनकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं। इस घटना से कॉलोनी में माहौल गहमागहमी भरा हो गया। लोग अधिकारियों को बंधक बनाकर लगातार नगर परिषद के खिलाफ नारेबाजी करते रहे और अधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग की।

सूचना के दो घंटे बाद पहुंची पुलिस

सूचना मिलने के करीब 2 घंटे बाद उद्योग नगर थाना पुलिस जाब्ते के साथ कॉलोनी में पहुंची और नगर परिषद के अधिकारियों को लोगों के चंगुल से छुड़वाया। वहीं नगर परिषद के अधिकारियों ने जल निकासी की समस्या का जल्द समाधान करने का आश्वासन लोगों को दिया। लोगों ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

पोकरण में फ्रांस के सेनाध्यक्ष ने देखी मिसाइल की ताकत

'पिनाका' ने 75 किमी तक दुश्मन के ठिकानों को बनाया निशाना

बेधड़क | जैसलमेर

जिले की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में गुरुवार को पिनाका मिसाइल की ताकत का प्रदर्शन किया गया। यहां भारतीय सेना ने फ्रांस के सेनाध्यक्ष जनरल पियरे शिल के सामने पिनाका मिसाइल का प्रदर्शन किया। पिनाका ने इस दौरान 75 किमी की रेंज तक निशाने दागे और दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

दरअसल फ्रांस आर्मी के सेनाध्यक्ष जनरल पियरे शिल इन दिनों भारत की 3 दिवसीय यात्रा पर हैं। पियरे शिल ने जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा किया। शिल ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम की शक्ति देखी। भारतीय सेना की राइजिंग सन आर्टिलरी ने पराक्रम दिखाया।

भारतीय सेना के अनुसार पिनाका मिसाइल की सामरिक प्रतिभा और अदम्य भावना का यह भव्य प्रदर्शन दुनिया के लिए एक स्पष्ट आह्वान है, जो भारतीय सेना और उभरते भारतीय रक्षा उद्योग की अद्वितीय शक्ति को प्रदर्शित करता है। भारत के स्वदेशी मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम, पिनाका का डंका अब पश्चिमी देशों तक बज रहा है। आर्मेनिया को एक्सपोर्ट करने के बाद इंडोनेशिया और नाइजीरिया जैसे देश पिनाका में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। वहीं इससे अब फ्रांस भी खासा प्रभावित है। यही वजह है कि भारत के दौरे पर आए फ्रांस के सेनाध्यक्ष पिनाका के फायरिंग प्रदर्शन को देखने के लिए राजस्थान आए हैं।

दक्षिण पश्चिमी कमान का किया दौरा

फ्रांस सेना के सेनाध्यक्ष जनरल पियेर शिल ने बुधवार को दक्षिण पश्चिमी कमान मुख्यालय जयपुर का दौरा किया। दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने जनरल पियेर शिल का स्वागत किया। इस दौरान फ्रांस सेना प्रमुख ने दक्षिण पश्चिमी कमान में आर्मी कमांडर और कमान के अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की। दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच अच्छे संबंधों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की। यह मुलाकात दोनों सेनाओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने तथा क्षेत्रीय स्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने में उनके समर्पण को दर्शाती है।

पिनाका की मारक क्षमता अब 75 किमी तक

पिनाका की रेंज करीब 40 किलोमीटर है, लेकिन साल 2019 में डीआरडीओ ने इस रॉकेट को मिसाइल सिस्टम में तब्दील कर दिया था, ताकि मारक क्षमता और रेंज को बढ़ाया जा सके। अब पिनाका सिस्टम की रेंज करीब 75 किलोमीटर हो गई है। हाल ही में भारतीय सेना ने इन पिनाका सिस्टम की 6 नई रेजीमेंट को पूर्वी लद्दाख में चीन से सटी एलएसी पर तैनात किया है। पिछले साल जुलाई के महीने में आर्मेनिया ने करीब 2000 करोड़ रुपए में भारत से पिनाका की 4 बैटरी (यूनिट) खरीदी थी। इसको लेकर आर्मेनिया के पड़ोसी और दुश्मन देश अजरबैजान ने भारत से अपनी नाराजगी जताई थी।

मल्टी-बैरल रॉकेट सिस्टम अहम

दरअसल, किसी भी तोप से एक के बाद एक गोला दागने में काफी समय लगता है। मिसाइल सिस्टम भी एक बार में एक या दो बार ही दागी जा सकती है, लेकिन दुश्मन के ठिकानों को पूरी तरह तबाह करने के लिए एक के बाद एक रैपिड फायरिंग के लिए रॉकेट सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है। फ्रांस सहित ज्यादा से ज्यादा देशों की सेनाओं की दिलचस्पी पिनाका जैसे रॉकेट सिस्टम में काफी बढ़ गई है।

छबड़ा नगर पालिका का मामला

सरकारी खाते से 44 लाख का फर्जी भुगतान, संविदाकर्मी पर केस दर्ज

बेधड़क | बारां

जिले की छबड़ा नगर पालिका के सरकारी खाते से 43.80 लाख रुपए के फर्जी बिल भुगतान का मामला सामने आया है। इस संबंध में तत्कालीन अधिशासी अधिकारी ने दो संविदा कार्मियों सहित अन्य के खिलाफ छबड़ा थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों ने इस पूरे मामले में बड़े गड़बड़झाले की आशंका जताई है। साथ ही कांग्रेस सरकार के चार साल के कार्यकाल में पूरी जांच की मांग भी रखी है। छबड़ा थानाधिकारी राजेश खटाना का कहना है कि अधिशासी अधिकारी महेंद्र सिंह चारण की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें कंप्यूटर ऑपरेटर हरिशंकर शर्मा और दीपक को आरोपी बनाया गया है। राशि जयपुर निवासी सुनील वर्मा के खाते में ट्रांसफर हुई है। इसलिए सुनील को भी आरोपी बनाया गया है। थानाधिकारी ने कहा कि पूरे मामले की जांच पड़ताल के बाद ही कहा जा सकेगा कि किस तरह से गड़बड़झाला हुआ है। महेंद्र सिंह चारण का कहना है कि उनके संज्ञान के बिना ही यह भुगतान किया गया है। उनके डिजिटल सिग्नेचर का भी दुरुपयोग इसमें हुआ है। इस संबंध में कार्मिकों के खिलाफ उन्होंने ही मुकदमा दर्ज करवाया है। इस संबंध में उन्होंने नगर पालिका छबड़ा के अध्यक्ष कैलाश सिंह जैन को भी अवगत कराया है। इस पूरे मामले में सामने आ रहा है कि कर्मचारियों की जीएफ ग्रेजुएट की फंड राशि ही बिलों के जरिए ट्रांसफर की गई है। यह पैसा भी जयपुर के खाते में ट्रांसफर हुआ है। भुगतान भी 9 महीने पहले हुआ था. महेंद्र सिंह चारण का कहना है कि फरवरी 2023 में इसके बिल बनाए गए थे। वहीं, भुगतान पांच अन्य बिलों के अनुसार जून 2023 में हो गया था। इस संबंध में उन्हीं के डिजिटल सिग्नेचर का उपयोग किया गया है।

अब तक 21 राज्यों का कर चुके हैं दौरा

लेकसिटी पहुंचे किरण ने मानव सेवा के लिए दिया रक्तदान का संदेश

बेधड़क | उदयपुर

कहते हैं कि अगर आपके इरादे बुलंद हो तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल नहीं होता। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है दिल्ली के किरण वर्मा ने। वे पैदल ही दिल्ली से निकल पड़े और लंबे फासले को तय कर गुरुवार को लेक सिटी उदयपुर पहुंचे।

दरअसल, किरण ने एक अनूठा संकल्प लिया है, जिसको पूरा करने के लिए वो 21000 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक कर रहे हैं। वो इस काम में पिछले दो साल से लगे हैं। 28 दिसंबर, 2021 को उन्होंने अपने इस मिशन की शुरुआत की थी. वहीं, कई राज्यों से होते हुए अब राजस्थान पहुंचे हैं। किरण ने बताया कि वो अब तक केरल, तमिलनाडु, गुजरात समेत कुल 21 राज्यों का दौरा कर चुके हैं। लेक सिटी पहुंचे किरण वर्मा ने बताया कि वो 21000 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर हैं। इस बीच वो जगह-जगह ठहर कर लोगों को ब्लड डोनेशन के लिए जागरूक कर रहे हैं। साथ ही लोगों को ब्लड डोनेट करने से होने वाले लाभ के बारे में भी बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी इस यात्रा का एक मात्र मकसद यह है कि देश भर में 5 मिलियन नए ब्लड डोनेटर्स तैयार हो, क्योंकि आज बड़ी संख्या में रक्त के अभाव में लोगों की जान जा रही है। वहीं, जागरूकता के अभाव में लोग ब्लड डोनेट करने से कतराते हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ सेवाओं के लिए प्रदेश स्तर पर मिला सम्मान

प्रसूताओं के इलाज में सीएचसी बालेसर प्रथम

बेधड़क | जोधपुर

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जोधपुर जिले की सीएचसी बालेसर ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

गुरुवार को जयपुर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य भवन में आयोजित वार्षिक समीक्षा बैठक में नेशनल हेल्थ मिशन के एमडी जितेंद्र सोनी ने सीएचसी प्रभारी डॉ. राजेंद्र गर्ग को पूरी टीम के प्रतिनिधि के तौर पर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. राजेंद्र गर्ग ने लेबर रुम इंचार्ज एवं सोनोलॉजिस्ट डॉ. निरुपमा चौधरी के प्रयासों को खासतौर पर सराहा। गौरतलब है कि डॉ. चौधरी ने पिछले 1 साल में 1650 सोनोग्राफी की थीं, जिनमें से उन्होंने कई जन्मजात विकृतियों की भी पहचान की।

सीएचसी ने एक साल में 1278 डिलेवरी करवाई गई। इनमें से 160 हाई रिस्क वाली डिलीवरी थी। इसके अलावा सीएससी ने माह में 3 बार प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का संचालन भी किया। इसके तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। स्त्री एवं प्रसूता रोग विशेषज्ञ डॉ. निरुपमा चौधरी ने बताया कि बालेसर से प्रसूताओं को सोनोग्राफी के लिए 80 किमी दूर जोधपुर जाना पड़ता था। विधायक कोटे से बीसीएमओ डॉ. रहीस एवं सीएचसी प्रभारी डॉ. राजेंद्र गर्ग के प्रयासों से यूएसजी लगवाकर वहीं प्रसूताओं की सोनोग्राफी शुरू की। इसके लिए उन्होंने उम्मेद चिकित्सालय जोधपुर से 1 माह का खास प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

प्रसूताओं को इसका लाभ देने से सीएचसी को प्रथम पुरस्कार मिला। इस मोके पर डॉ. लोकेश चतुर्वेदी, डॉ. ओपी थाकन डायरेक्टर एसआईएचएफडब्लू , डॉ. जितेंद्र सोनी एमडी एनएचएम मोजूद थे।

बिजली जलाई, भुगतान रोका

सरकारी विभागों में 286 करोड़ रुपए बकाया, वसूली में छूटे रहे पसीने

बेधड़क | धौलपुर

जिले के सरकारी दफ्तरों के साथ-साथ घरेलू, कॉमर्शियल, कृषि के साथ अन्य उपभोक्ताओं ने बिजली तो जला ली, लेकिन बिलों का भुगतान करना भूल गए। ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ धौलपुर विद्युत निगम इन दिनों वसूली अभियान चला रहा है।

विद्युत निगम डिफॉल्टरों के खिलाफ नोटिस जारी कर निगम राशि हासिल करने में लगा हुआ है। 286 करोड़ रुपए की बकाया राशि वसूलने में निगम के अधिकारियों पसीने छूट रहे हैं। सबसे अधिक राशि के डिफॉल्टर सरकारी दफ्तर हैं। अधीक्षण अभियंता बीएस गुप्ता ने बताया शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर निगम राशि वसूल करने में जुटा है। इस कार्रवाई में विद्युत ट्रांसफॉर्मर उतार कर कनेक्शन भी काटे जा रहे हैं और राशि जमा कराने के लिए नोटिस भी दिए जा रहे हैं। जिले के सरकारी विभाग भी निगम की बकाया राशि का भुगतान नहीं कर रहे हैं। अब विद्युत निगम नोटिस जारी कर सरकारी दफ्तरों के विद्युत कनेक्शन काटने की कवायद शुरू करेगा। राजस्थान में विद्युत निगम घाटे के दौर से गुजर रहा हैं, लेकिन सरकार द्वार फ्री बिजली घोषणा के बावजूद भी उपभोक्ता बिल नहीं जमा करा रहे हैं। उन्होंने बताया जिले में कुल एक लाख 81 हजार उपभोक्ता हैं, जिनमें से एक लाख 43 हजार 525 उपभोक्ता नियमित हैं। एनडीएस उपभोक्ता आठ हजार 251 हैं। कृषि उपभोक्ता दस हजार 769 हैं और कटे हुए पीडीसी कनेक्शन 37 हजार 842 हैं। इन पर निगम का 265 करोड़ रुपये बकाया है।

14 सरकारी विभागों ने रोका भुगतान

वहीं, चौंकाने वाली बात ये है कि जिले के 14 सरकारी विभागों पर 21 करोड़ बकाया है और बजट के अभाव में यह विभाग भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ-साथ जो कनेक्शन कटे हुए हैं और डीसी, पीडीसी कनेक्शन हैं उन पर बकाया राशि वसूलने के लिए निगम ने 14 टीमें गठित कर दी हैं। उनको नोटिस सर्व करा दिए हैं और जो उपभोक्ता पैसा जमा नहीं करा रहें उनके कनेक्शन काटकर ट्रांसफार्मर उतारने की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। अब तक 310 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं।

सात दिन का दिया नोटिस

विद्युत निगम ने जिले के 14 सरकारी विभागों से बिजली का बिल वसूलने के लिए सात दिन का नोटिस जारी किया है। निगम के मुताबिक़ सात दिन में अगर ये पैसे जमा नहीं कराएंगे तो इनके कनेक्शन काटे जाएंगे। यह राशि सरकारी महकमों पर लम्बे समय से बकाया चली आ रही है। देखने वाली बात ये है कि विद्युत निगम आम उपभोक्ता के खिलाफ तो कार्रवाई कर रहा है, लेकिन सरकारी विभागों से राशि कैसे वसूल की जाएगी। ये 31 मार्च तक ही तय होगा।

इन विभागों पर इतना बकाया

धौलपुर नगर परिषद 7 करोड़ 58 लाख, पीएचईडी विभाग 4 करोड़ 4 लाख, जेजेएम एक करोड़ 5 लाख, स्वास्थ्य विभाग 28 लाख, शिक्षा विभाग 97 लाख, जिला प्रशासन 10 लाख, अटल सेवा केंद्र 28 लाख की राशि बकाया है।

निर्वाण यूनिवर्सिटी में 'एनयू बिजनेस लीडर्स-24' कार्यशाला

स्टूडेंट्स ने सीखे एंटरप्रेन्योरशिप व सक्सेसफुल स्टार्टअप के गुर

बेधड़क | जयपुर

निर्वाण यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स ने विशेषज्ञों से स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप के गुर सीखे। यूनिवर्सिटी में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला 'एनयू बिजनेस लीडर्स-24' में बीजसन इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के को-फाउंडर और सीईओ अमित कुमार जैन व सोढानी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के सिद्धांत सोढानी स्टूडेंट्स से रू-ब-रू हुए व एंटरप्रेन्योरशिप के विभिन्न आयामों को उनके सामने स्पष्ट किया।

इस अवसर पर निर्वाण यूनिवर्सिटी के सीईओ एंड वाइसचेयरमेन डॉ. आरके अरोड़ा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवीन विचारों के उद्भवन, नवाचारों और स्टार्टअप्स के बारे में परिचित करवाना है। विशेषज्ञों ने उनके सवालों के जवाब भी दिए। इस अवसर पर निर्वाण यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. पीके राघव, जॉइंट रजिस्ट्रार प्रो. एनडी जसूजा, आईक्यूएसी डाइरेक्टर प्रो. अपर्णा दीक्षित, डायरेक्टर मार्केटिंग पायल लाल एवं विभिन्न संकायों के हैड और शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शोध को बढ़ावा देने के लिए लिखी पुस्तकों का विमोचन

निर्वाण यूनिवर्सिटी में निर्वाण यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स की दो पुस्तकों का विमोचन किया गया। विवेकानंद सेमिनार हॉल में निर्वाण यूनिवर्सिटी के चेयरमेन डॉ. एसएल सिहाग, सीईओ एंड वाईस चेयरमेन डॉ. आरके अरोड़ा और कुलपति प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल ने 'रिसेंट ट्रेंड्स इन रिसर्च' और 'एमर्जिंग ट्रेंड्स इन एनवायरनमेंटल प्रिसर्वेशन' नामक पुस्तकों का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी निर्वाण यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स लगातार पुस्तकों और जर्नल्स जारी करेगा। कुलपति प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल ने बताया कि निर्वाण युनिवर्सिटी के जॉइंट रजिस्ट्रार प्रो. एनडी जसूजा द्वारा संपादित 'रिसेंट ट्रेंड्स इन रिसर्च' तथा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सपना नेहरा द्वारा संपादित 'एमर्जिंग ट्रेंड्स इन एनवायरनमेंटल प्रिसर्वेशन' पुस्तकों में शोध, विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण से संबन्धित नवीन विषयों को समायोजित किया गया है। इन दोनों ही

पुस्तकों में यूनिवर्सिटी के विज्ञान, सामाजिक विज्ञान तथा कॉमर्स एंड मैनेजमेंट संकायों के विभिन्न शिक्षकों ने अपने अपने विषयों से संबन्धित नवीन शोध और अध्ययन के आधार पर महत्वपूर्ण अध्यायों का समायोजन किया है।

Yuva स्टोरीज

आकाश को मिला नेशनल बेस्ट प्रजेंटर अवॉर्ड

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के सोडाला निवासी आकाश पालीवाल को इंडो-ग्लोबल सोशियल सर्विस सोसायटी एनजीओ की ओर से नेशनल यूथ फेस्ट-2024 में नेशनल बेस्ट प्रजेंटर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम 27 से 28 फरवरी तक दिल्ली में विश्व युवक केंद्र में आयोजित हुआ था। कार्यक्रम में पूरे भारत से अलग-अलग राज्य से आई 30 संस्थाओं ने सामाजिक मुद्दों पर स्टॉल लगाई थी। प्रदेश से आकाश ने जेंडर समानता, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, संविधान पर हुए कार्यों को प्रदर्शित किया। साथ ही युवाओं के साथ काम करने के तरीके बताए और उनको सशक्त व मजबूत बनाने का प्लान प्रस्तुत किया। आकाश की स्टॉल को 10 अलग-अलग समूह अवलोकनकर्ताओं ने बेस्ट प्रजेंटर के लिए चुना। कार्यक्रम में भारत की सामाजिक संस्थाएं, सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ता शामिल हुए।

जीवन जीने की कला सिखाती है संस्कृत

जयपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की भारतीय भाषा समिति और जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सरल मानक संस्कृत कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुहाना के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यशाला के संयोजक डॉ. शशि कुमार शर्मा ने बताया कि संभाषण के साथ साथ नुक्कड़ नाटको के माध्यम से संस्कृत को बोलचाल की भाषा बनाने के लिए हमारी रूपरेखा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम सेवक दुबे ने कहा कि जीवन जीने की कला संस्कृत ही सिखाती है। अभिवादन अर्थात् प्रणाम करने से आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। इस अवसर पर डा. विनोद कुमार शर्मा, प्रो. कुलदीप शर्मा, डा. रघुवीर शर्मा, डा. चन्द्र प्रकाश शर्मा, डा. कमल चोटिया आदि ने सरल मानक संस्कृत विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। सह संयोजिका डा. मधुबाला शर्मा ने मंच संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की प्राचार्या अनिता भारती ने किया। विद्यालय के लगभग 400 बच्चों व ग्रामीण लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भर्ती परीक्षाओं के लिए बनाया नियंत्रण कक्ष

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 3 मार्च को संगणक सीधी भर्ती परीक्षा-2023 एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (संविदा) भर्ती परीक्षा-2022 का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए कलक्ट्रेट के कमरा नम्बर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। संगणक भर्ती परीक्षा के लिए 57 व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (संविदा) भर्ती परीक्षा के 38 उप समन्वयक लगाए हैं।

बच्चों ने दिखाई साइंस क्रिएटिविटी

जयपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एमसीएस के साइंटिया क्लब की ओर से वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न ग्रेडों के स्टूडेंट्स ने अपनी क्रिएटिविटी प्रदर्शित की। मॉडल और परियोजनाओ के विभिन्न प्रोजेक्ट्स को स्टूडेंट्स ने बखूबी प्रस्तुत किया। छात्रों ने ऑटोमोबाइल से लेकर मेटल डिटेक्टर, भूकंप प्रभाव डिटेक्टर और वैकल्पिक ऊर्जा समाधान जैसे डिजाइनों के साथ अपनी अभिनव कौशल का प्रदर्शन किया। निदेशक डॉ. सनी कपूर ने प्रस्तुतियों के दौरान छात्रों के उत्साह की सराहना की।

महाराजा कॉलेज में 'एक्वारेजिया-24' का समापन

टैलेंट, जीत के जुनून और खेल भावना की बही त्रिवेणी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय महाराजा महाविद्यालय में चल रहे अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव एक्वारेजिया-2024 के अंतिम दिन गुरुवार को विभिन्न कॉलेज व संस्थानों के स्टूडेंट्स ने अलग-अलग गतिविधियों में अपने टैलेंट का प्रदर्शन किया।

इस दौरान हुई अलग-अलग प्रतियोगिताओं में स्टूडेंट्स के बीच जीतने के जुनून के साथ आपसी सहयोग से भरी खेल भावना भी देखने को मिली। सांस्कृतिक गतिविधियों से लेकर तकनीकी प्रतियोगिताओं तक स्टूडेंट्स की प्रतिभा कैम्पस में मुखर हुई। प्राचार्य प्रो. एसएन डोलिया ने बताया कि 38 से अधिक संस्थानों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान 36 विभिन्न गतिविधियों जैसे रंगोली, युवा संसद, रचनात्मक लेखन, कविता, टेकथॉन, युगल नृत्य, एकल चेहरा पेन्टिंग, नुक्कड़ नाटक व फैशन शो के कार्यक्रम में जोश-खरोश से भाग लिया। समापन दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत प्रो. आईपी जैन, विशिष्ट अतिथि हॉप एण्ड बियोंड फाउण्डेशन जॉय गार्डनर व सम्मानित अतिथि प्राचार्य राजस्थान कॉलेज प्रो. विनोद शर्मा रहे। अतिथियों ने स्टूडेंट्स की गतिविधियों में शामिल होकर उनकी हौंसला अफजाई की।

छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रम जैसे ग्राफिक डिजाइनिंग, रचनात्मक लेखन, स्क्रेच, समूह नृत्य व समूह गायन में छात्र-छात्राओं ने समां बांध दिया। ऐक्वारेजिया-24 के आयोजन सचिव डॉ. प्रवीण गर्ग, प्रियंका गर्ग व डॉ. स्वप्निल भारद्वाज, प्रभारी डॉ. रिषीकेश मीणा, सहप्रभारी डॉ. आर. केगुनसारिया, पीडी मीणा व मनीषा आलोरिया ने स्टूडेंट्स को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मोटिवेट किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. वर्षा वर्मा ने किया। अन्त में रेडियो जॉकी रोहित ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ अपने चुटीले संवाद से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

छात्राओं ने समझे साइको एजुकेशन के आयाम

बेधड़क | जयपुर

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए महत्वपूर्ण साइको-एजुकेशन सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन सहायक आचार्य, मनोविज्ञान विभाग महिमा रामचन्दानी ने किया। सत्र में मुख्य विषय शामिल थे मानसिक स्वास्थ्य की प्रमुख समस्याएं, तनाव प्रबंधन, आत्म-प्रेम और सही व्यवहार।

मानसिक समस्याओं के कारणों, प्रभाव, और उपचार के बारे में व्याख्या की गई, साथ ही समूह गतिविधियों, चर्चाओं और आत्म-समीक्षा के माध्यम से समूह में सक्रिय रूप से भाग लिया गया। इसी के क्रम में विशेषज्ञों ने बताया कि मनोरोग के कई लक्षण हो सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य को जानें-समझें और अपने को मनोवैज्ञानिक प्रबंधन के प्रति जागरूक बनाए रखें। साइको-एजुकेशन सत्र एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। जो मानसिक स्वास्थ्य के मामलों में जागरूकता बढ़ाने के लिए संचालित की जाती है। सत्र का उद्देश्य मानसिक समस्याओं, उनके कारण, प्रबंधन तकनीकों, और सही संवेदनशीलता के बारे में शिक्षित करना था।

शिविर के अन्त में थिएटर के गुर भी सिखाए गए और गोद ली हुई बस्ती, लाल कुंडा बस्ती झालाना, जयपुर में शिविर के पांचवे दिन आयोजित होने वाले स्वास्थ्य जांच कैंप की जानकारी स्वयंसेविकाओं ने घर-घर जाकर दी। इस दौरान महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की सफाई भी की गई। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आंचल पुरी, विजयलक्ष्मी गुप्ता, डॉ. रेणु शक्तावत एवं महिमा रामचंदानी के नेतृत्व मे हुआ।

नेशनल साइंस डे पर हुए कॉम्पटिशन

बेधड़क | जयपुर

नेशनल साइंस डे के अवसर पर पोद्दार इंटरनेशनल कॉलेज में साइंस डिपार्टमेंट एंड रिसर्च सेल की ओर से इंटर कालेज कंपीटिशन का आयोजन किया गया। इंडियन साइंस कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम मे क्विज, प्रोडक्ट डिस्प्ले, डिबेट, रैंडम साइंस फैक्ट और शॉर्ट फिल्म मेकिंग कंपीटिशन का आयोजन किया गया। आयोजन में विभिन्न कॉलेज के स्टूडेंट्स ने परफॉर्म किया। कॉलेज की वाइस चेयरपर्सन रूपल पोद्दार ने स्टूडेंट्स के परफॉर्मेंस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्टूडेंट्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

मंथन | 'जीवन कौशल, सशक्त शिक्षा' पर सेमिनार में जुटे विशेषज्ञ

अच्छा इंसान बनने के लिए अंक नहीं जीवन मूल्य जरूरी

बेधड़क | जयपुर

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा से ही श्रेष्ठ नागरिक बनेंगे। दिलावर गुरूवार को एक निजी होटल में आयोजित 'जीवन कौशल सशक्त शिक्षा' पर आधारित सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कारित एवं सशक्त शिक्षा से जीवन उन्नत बनेगा और उन्नत नागरिकों के विचार भी श्रेष्ठ होंगे, जिससे परिवार, समाज एवं देश सशक्त बनेगा। उन्होंने अच्छा इंसान बनने के लिए अंक महत्वपूर्ण नहीं है अपितु जीवन मूल्य महत्व रखते हैं। माता-पिता को भी अपने बच्चों पर उनकी क्षमता से अधिक अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में खुशहाली का संबंध संसाधनों से नहीं संतोष से है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भी रोजगार के साथ संस्कारयुक्त शिक्षा पर जोर दिया गया है। इसमें विशेष रूप से जीवन कौशल को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की सिफारिश की गई है। इस नीति का मकसद छात्रों को 21वीं सदी के जीवन कौशल से लैस करना है। इन कौशलों में टीम वर्क, रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान शामिल है।

इस अवसर पर शिक्षा शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि विद्यार्थियों को विषय का चयन अपनी रुचि एवं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। उन्होंने जन कल्याण पोर्टल सभी के लिए उपयोगी बताया।

विशेषज्ञों ने दिया जीवन कौशल प्रशिक्षण

सेमिनार में पैनल डिस्कशन के दौरान राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि 21वीं सदी में आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने के लिए जीवन कौशल की शिक्षा आवश्यक है। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के पाठ्यक्रम को डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। निदेशक, आरएससीईआरटी कविता पाठक ने बताया कि जीवन कौशल पर पुस्तकें भी तैयार की जा रही हैं। पीरामल फाउंडेशन के सौरभ जौहरी ने पैनल डिस्कशन के दौरान जीवन कौशल प्रशिक्षण दिया। अंशु दूबे, वैजयन्ती शंकर, अर्जुन एवं उप निदेशक कमलेन्द्र राणावत ने भी विचार व्यक्त किए।

दिए बच्चों के सवालों के जवाब

कार्यक्रम के दौरान शिक्षामंत्री एवं शिक्षा सचिव ने छात्रों द्वारा पूछे गये विभिन्न सवालों का सहजता के साथ जवाब दिया। विद्यार्थियों ने सामाजिक, भावनात्मक, नैतिक शिक्षण से उनके जीवन में आए बदलावों के बारे में बात करते हुए बताया कि मोबाइल से ध्यान हटाने, गुस्से पर नियंत्रण करने, परीक्षा के भय से निजात तथा ध्यान केन्द्रित करने में मदद मिलती है। इस अवसर पर 'राजस्थान लाइफ स्किल असेसमेंट रिपोर्ट-2023' तथा 'अमूल्य' पोस्टर का विमोचन किया गया।

वह बेहतरीन अफसाना निगार, जिसे उर्दू दुनिया ने भुला दिया

जाहिद खान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

अफसाना निगार रामलाल की जयंती

73 साल की उम्र में रामलाल ने 28 अक्टूबर, 1996 को लखनऊ में आखिरी सांस ली। डॉ. कमर रईस ने अपनी किताब 'तरक्कीपसंद अदब के मेमार' में राम लाल के बारे में लिखा है, "तरक्कीपसंद तहरीक से गहरी वाबस्तगी और फिक्र-ओ-नजर ने उन्हें वो मुनफरिद रंग अता किया है, जो अफसाने की तारीख में कभी फीका नहीं पड़ेगा।"

रामलाल, उर्दू के अहम अफसाना निगार थे। उन्होंने अफसाने, नॉवेल, यात्रा वृतांत, रेखा-चित्र, रेडियो ड्रामे, डायरी लिखी, तो सहाफत के मैदान में भी अपने हाथ आजमाए, लेकिन उनकी अहम पहचान एक अफसाना निगार के तौर पर ही है। उनकी मादरी जुबान उर्दू नहीं, सराईकी थी पर उन्होंने उर्दू को ही अपने लेखन का जरिया बनाया। एक जमाना था, जब उर्दू अदबी दुनिया में राम लाल के अफसानों का खासा जिक्र होता था, उन्हें याद किया जाता था। लेकिन वक्त गुजरा, दीगर उर्दू शुअरा की तरह लोगों ने राम लाल को भी भुला दिया। साल 2023 उनका जन्मशती साल था, पूरा साल गुजर गया लेकिन कहीं उन पर कोई बात नहीं हुई। न कोई सेमिनार, न कोई कॉन्फ्रेंस। बावजूद इसके राम लाल का कद छोटा नहीं हो जाता। उर्दू अदब और अफसाना निगारी की जब भी बात होगी, उनका जिक्र जरूर छिड़ेगा। बहरहाल राम लाल, उस पीढ़ी से तअल्लुक रखते हैं, जिन्होंने मुल्क का बंटवारा अपनी आंखों से देखा। इसके जख्म अपने सीने पर खाए। बंटवारे के वह भुक्त भोगी थे। मुल्क की तक्सीम का उनके परिवार पर गहरा असर पड़ा। पाकिस्तान से हिजरत कर, उनका परिवार भारत आया। यही वजह है कि उनके अफसानों में बंटवारे की टीस, प्रवासी जीवन और इंसानी जज्बात की बेहद संवेदनशील अक्कासी दिखाई देती है।

उर्दू अफसाने के सिरमौर सआदत हसन मंटो, कृष्ण चंदर, इस्मत चुगताई, प्रेमचंद और राजिंदर सिंह बेदी वगैरह के बाद की पीढ़ी के अफसाना निगारों में राम लाल का नाम अहमियत के साथ लिया जाता है। अदब के जानिब उनकी बेलाग मुहब्बत और उसकी तख़्लीक के लिए मुसलसल कोशिशें किसी से छिपी नहीं। इन्हीं कोशिशों का ही नतीजा था कि उर्दू अदब में उन्होंने जल्द ही अपना एक अलग मुकाम बना लिया। राम लाल ने एक से बढ़कर एक अनूठे मौजूअ पर असरदार अफसाने लिखे। अफसानों के सब्जेक्ट से लेकर जबान, शैली और टेक्नीक के मैदान में उन्होंने नए-नए तजुर्बे किए। अफसाने के मैदान में उनके ये तजुर्बे पाठकों को पसंद भी आए। राम लाल के अफसाने, उनके दौर की दर्दनाक अक्कासी हैं। अपने अफसानों में उन्होंने इंसानी रिश्तों और जज्बात को इस कदर संजीदगी से उकेरा है कि पाठक 'वाह-वाह' कर उठते हैं।

1 मार्च 1923 को मियांवाली मगरिबी पंजाब जो कि अब पाकिस्तान में है, में जन्मे रामलाल छाबड़ा की इब्तिदाई तालीम 'सनातन धर्म स्कूल' मियांवाली में हुई। साल 1938 में उन्होंने हाईस्कूल पास किया। और इसी साल रेलवे में मुलाजिम हो गए। लेकिन तकरीबन पांच बरस बाद इस्तीफा देकर, व्यापार करने लगे। व्यापार की मुद्दत बहुत मुख़्तसर रही। और 1945 में दोबारा उसी नौकरी में वापस आ गए। रेलवे में ही रहकर 31 मार्च, 1981 को यहां से रिटायर हुए। राम लाल को बचपन से ही अदब से बेपनाह मुहब्बत थी। उनके लेखन का आगाज कम उम्र में ही हो गया था। जब वह आठवी दर्जे में थे, तब उन्होंने 'तसव्वुर' के नाम से एक नॉवेल लिख दिया था। नॉवेल का नाम 'नकाबपोश डाकू' था। मगर अफसोस ! उनके वालिद को राम लाल का यह अदबी कारनामा पसंद न आया और उन्होंने गुस्सा जताते हुए इसे फाड़ दिया। नॉवेल फट गया, मगर उनके दिल में अदब से मुहब्बत न मिट सकी। बीस साल की उम्र में उन्होंने राम लाल ही के नाम से अपना पहला अफसाना लिखा। जिसका उन्वान 'थूक' था। यह अफसाना 1943 में लाहौर से निकलने वाले वीकली अखबार 'खय्याम' में छपा। उसके बाद तो यह अदबी सिलसिला शुरू हो गया। वह बाकायदगी से अफसाने लिखने लगे। उनके अफसाने उस दौर की मशहूर मैगजीनों अदब-ए-लतीफ, अदबी दुनिया, साकी, नैरंग-ए-खयाल और सब-रस में शाए होने लगे। राम लाल के अफसानों का पहला मजमूआ 1945 में 'आईने' उन्वान से शाया हुआ, जिसका प्राक्कथन शायर-अफसाना निगार अहमद नदीम क़ासमी ने लिखा था।

अफसाने की दुनिया में रामलाल की शोहरत का आगाज उस वक्त हुआ, जब उन्होंने पाकिस्तान से आए हुए परेशान हाल विस्थापितों के विस्थापन और पुनर्वास की समस्याओं को सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक नजरिए से अपने अफसानों में पेश किया। चूंकि वह खुद इन हालात से गुजरे थे, लिहाजा इन समस्याओं से दूसरों के बनिस्बत अच्छी तरह वाकिफ थे। पाठकों के बीच जब ये अफसाने गए, तो उन्हें लगा कि यही तो हकीकत है। उस जमाने में उनके अफसाने 'एक शहरी पाकिस्तान का', 'इन्क़िलाब आने तक', 'एक औरत थी इलाज-ए-ग़म-ए-दुनिया तो न थी', 'भेड़िए', 'खेतों की रानी', 'शगुन', 'खेतों की रानी', 'ज़हर थोड़ा सा' और 'नई धरती पुराने गीत' बहुत मशहूर हुए। इनके अलावा 'उखड़े हुए लोग','तमाशा', 'जड़ें', 'इंतजार के कैदी', 'नसीब जली', 'लोहे का कमरबंद' वगैरह अफसानों को भी ख़ूब मकबूलियत मिली। राम लाल ने अपने अफसानों में किसी एक नजरिए को पेश नहीं किया। और न ही रूमानी फजा कायम करने की कोशिश की। उनके अफसाने इंसान की आम ज़िंदगी से तअल्लुक रखते हैं। रामलाल जो कुछ अपने आसपास देखते थे, उसको अपने फन में ढालकर अफसाने की शक्ल दे देते थे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अंतरराष्ट्रीय शून्य भेदभाव दिवस आज

महिला सशक्तीकरण, लैंगिक समानता उद्देश्य

पवन कुमार पाण्डेय
स्वतंत्र टिप्पणीकार

"संयुक्त राष्ट्र ऐसे कार्यक्रमों और अभियानों का आयोजन करके इस विचार का समर्थन करता है जो कहता है कि हर किसी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए, चाहे उनका लिंग, जाति, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता या नौकरी कुछ भी हो। भेदभाव आम तौर पर तब होता है जब लोग डरे हुए होते हैं, सच्चाई नहीं जानते हैं, या उन चीजों का विरोध करते हैं जिन्हें वे नहीं समझते हैं।"

शून्य भेदभाव दिवस संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठन 2014 से प्रतिवर्ष मना रहे है। कानून के समक्ष समानता और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों में व्यवहार को बढ़ावा देना उद्देश्य है। 27 फरवरी 2014 को बीजिंग में यूएनएड्स के कार्यकारी निदेशक मिशेल सिदीबे ने प्रारंभ किया और प्रथम बार 1 मार्च 2014 को मनाया गया अब यह प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना और उनके सशक्तीकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देन के साथ ही महिलाओं लड़कियों द्वारा भेदभाव और असमानता को चुनौती देना प्रमुख उद्देश्य है। आंकड़ों के अनुसार संपूर्ण विश्व में तीन महिलाओं में से एक महिला हिंसा के किसी न किसी रूप का सामना कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं ने उनके खिलाफ होने वाली हिंसा की रिपोर्ट की है। इसके माध्यम से रंग, धर्म, राष्ट्रीयता, जाति, लिंग, विकलांगता, कद आदि के कारण हो रहे भेदभावों की रोकथाम के लिए मनाया जाता है। जीवन बचाएं: अपराधमुक्ति विषय आधारित वर्ष 2024 की थीम है। यह थीम उन कानूनों को निरस्त करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है जो एचआईवी एड्स से पीड़ित लोगों को अन्यायपूर्ण तरीके से अपराधी मानते हैं। ऐसे दंडात्मक उपाय केवल कलंक और भेदभाव के खतरनाक चक्र को कायम रखते हैं। पिछले वर्ष "सेव लाइव्सः डिक्रिमिनलाइज करें" थीम थी जिसके माध्यम से एचआईवी के साथ रहने वाले मरीजों के प्रति हो रहे भेदभाव को रोकना है।

यह एक वैश्विक दिन है जहां हर जगह लोग अनुचित व्यवहार को रोकने और दुनिया को एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण जगह बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य समूह इस उत्सव का नेतृत्व करते हैं, और वे चाहते हैं कि परिवर्तन के लिए एक बड़ा आंदोलन बनाने के लिए हर कोई इसमें शामिल हो। मिशेल सिदीबे के मन में विचार आया और उन्हें विश्व एड्स दिवस से प्रेरणा मिली कि एक ऐसा दिन जो एचआईवी एड्स से

पीड़ित लोगों के साथ बुरा व्यवहार करने के खिलाफ लड़ता है। संयुक्त राष्ट्र ऐसे कार्यक्रमों और अभियानों का आयोजन करके इस विचार का समर्थन करता है जो कहता है कि हर किसी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए, चाहे उनका लिंग, जाति, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता या नौकरी कुछ भी हो। भेदभाव आम तौर पर तब होता है जब लोग डरे हुए होते हैं, सच्चाई नहीं जानते हैं, या उन चीजों का विरोध करते हैं जिन्हें वे नहीं समझते हैं। हमें भेदभाव के बारे में बात करने और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है। लोगों के साथ गलत व्यवहार करना उनके बुनियादी अधिकारों के खिलाफ है, और इसे रोकने के लिए हर कोई कुछ न कुछ कर सकता है।

यहां तक कि छोटी-छोटी गतिविधियां भी एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया शुरू कर सकती हैं और समाज को अधिक समान और निष्पक्ष बना सकती हैं। सभी लोगों के लिए समानता और सम्मान को बढ़ावा देना है, चाहे उनकी जाति, लिंग, यौन अभिविन्यास, या कोई अन्य विशेषता कोई भी हो, यह दिन एक अनुस्मारक है कि सभी के साथ सम्मान और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए और किसी भी तरह का भेदभाव गलत है। भेदभाव कई अलग-अलग तरीकों से किया जा सकता है और लोगों को कई अलग-अलग तरीकों से चोट पहुंचा सकता है। यह लोगों को उपेक्षित महसूस करवा सकता है, उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा सकता है, या उन्हें शारीरिक रूप से भी चोट पहुंचा सकता है, भेदभाव को रोकने और दुनिया को एक ऐसी जगह बनाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए जहां हर किसी को स्वीकार किया जाता है और वे जो हैं उसके लिए मूल्यवान हैं।

शिक्षा भेदभाव के खिलाफ लड़ने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। लोगों को भेदभाव के जोखिमों के बारे में और मतभेदों का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है, यह सिखाने से हम एक ऐसे समाज के निर्माण में मदद कर सकते हैं जो अधिक खुला और स्वीकार करने वाला हो, यह स्कूल के कार्यक्रमों, जन जागरूकता अभियानों और अन्य गतिविधियों के माध्यम से किया जा सकता है जो लोगों को एक दूसरे को समझने और सम्मान करने में मदद करते हैं। ऐसे कानून और नीतियां बनाना जो लोगों को अकेले होने से बचाते हैं, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में एक और महत्वपूर्ण कदम है. इसमें भेदभाव के खिलाफ कानून शामिल हैं, जो लोगों को उनकी जाति या लिंग जैसी चीजों के कारण अलग तरह से व्यवहार करना अवैध बनाता है. इस तरह के कानून यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि हर कोई, चाहे वह कोई भी हो, उचित और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है, लेकिन कानून और नीतियां अपने आप में भेदभाव को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हैं. लोगों के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि वे अपने स्वयं के कार्यों की जिम्मेदारी लें और दुनिया को अधिक स्वीकार्य और खुला बनाने की दिशा में काम करें. जब हम देखते हैं तो भेदभाव के खिलाफ बोलकर, अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों और पूर्वाग्रहों को चुनौती देकर और सभी के साथ सम्मान और सम्मान के साथ व्यवहार करके हम ऐसा कर सकते हैं। हम भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में कितनी दूर आ गए हैं और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने के लिए जहां सभी को स्वीकार किया जाता है और वे जो हैं उसके लिए मूल्यवान हैं। यह जश्न मनाने का समय है कि लोग कितने अलग हैं, प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा और मूल्य को पहचानने के लिए, और दुनिया को एक ऐसी जगह बनाने के लिए खुद को पुनः प्रतिबद्ध करने के लिए जहां सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है। कुछ प्रमुख बिंदु निम्न प्रकार से हैं प्रत्येक व्यक्ति कितना अलग और अद्वितीय है, इसकी सराहना करने के लिए कुछ समय निकालें। समाज में जाकर जानने का प्रयास करें किस प्रकार से अनुचित व्यवहार लोगों के जीवन को प्रभावित करता है।

भेदभाव पर चर्चा करने के लिए बातचीत करें या स्वयं के या अन्य किसी समुदाय में एक बैठक करें। प्रयास करें हमारे साथ अन्य लोग इसे रोकने के लिए क्या कर सकते हैं। अपने क्षेत्र में होने वाली घटनाओं का हिस्सा बनें जो शून्य भेदभाव को बढ़ावा देती हैं। हम इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए स्वयंसेवा कर सकते हैं या इसमें भाग ले सकते हैं। अनुचित व्यवहार के विरुद्ध बोलें, चाहे वह किसी एक व्यक्ति के साथ हो रहा हो या पूरे समुदाय के साथ। भेदभाव आज भी एक बड़ी समस्या है, वास्तविक प्रगति करने के लिए हमें अपने समुदायों में बुनियादी स्तर पर भेदभाव को खत्म करना होगा। हमें अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है, लेकिन भेदभाव के बारे में जानना महत्वपूर्ण है, खासकर उन लोगों के लिए जो इसका अनुभव करते हैं। जब तक चीजें नहीं बदलतीं, हमें समानता के लिए लड़ते रहना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

युद्ध पर एक लघु निबंध

मनीष कुमार चौधरी
व्यंग्यकार

को ई भी युद्ध जब होता है तो हमारे सामान्य ज्ञान में वृद्धि करता है। हमें उस देश की भौगोलिक स्थिति पता चलती है, जहां युद्ध लड़ा जा रहा है। जब अमरीका ने तालिबान पर हमला किया तो हमें 'तोरा-बोरा' की गुफाओं और पहाड़ियों के बारे में जानकारी मिली थी। ये वही गुफाएं थीं, जहां लादेन 'नौ-ग्यारह' करके नौ-दो ग्यारह हो गया था। इधर यूक्रेन के बारे में हम इतना ही जानते थे कि भारत देश के वे प्रतिभावान छात्र-छात्राएं जो हमारे यहां की कठिन मेडिकल की पढ़ाई में प्रवेश नहीं ले पाते थे, कुछ लाख रुपयों में मेडिकल की डिग्री प्राप्त करने के लिए यूक्रेन जैसे किसी देश में जाते हैं। यूक्रेन में वे कीव, खारकीव, मैरियुपोल जैसे शहरों में रहते थे, रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद ही हमें इस बारे में जानकारी हुई।

भौगोलिक स्थिति के अलावा युद्ध से हमें किसी महाशक्ति की औकात भी पता चलती है। अब तक हमें ज्ञात था कि रूस दुनिया की दूसरी महाशक्ति है। परंतु तीन-चार दिन में यूक्रेन को जीत लेने का दावा करने वाली रूसी महाशक्ति महीनों से खुद को साबित करने में लगी है। इधर इजरायल-हमास युद्ध में हमें पता चला है कि गाजा पट्टी नाम की कोई जगह भी होती है। अब तक हमारा ज्ञान टाट-पट्टी तक ही सीमित था। सबसे बड़ी बात यह कि युद्ध इतिहास बनाने के काम आते हैं। बाद में यही इतिहास हमारे पाठ्यक्रमों में शामिल होता है और बच्चे इसी इतिहास को रट पाने में असमर्थ होकर इस पर लानतें भेजते हैं कि मुए ये युद्ध क्यों हुए? यानी युद्ध इतिहास बनाते हैं और यही इतिहास वर्तमान बिगाड़ता है।

'हिस्ट्री-ज्योग्राफी बड़ी बेवफा, रात को रटी, दिन में सफा..' जैसी मशहूर शायरी ऐसे ही ऐतिहासिक युद्धों के चलते जन्मीं। तराइन, पानीपत, हल्दीघाटी.. का युद्ध हुआ सो तो ठीक.., पर किस सन में हुआ था और किस-किसके बीच हुआ था, ऐसे सिरखपाऊ प्रश्नों के जन्मदाता ये युद्ध ही होते हैं। इस तरह के ऐतिहासिक पाठ्यक्रमों के कारण ही देश की कई बाल प्रतिभाएं समय से पहले पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो गईं। बाद में यही प्रतिभाएं जरायम पेशे की ओर उन्मुख हो गईं। उनके गलत पेशा अपनाने की प्रमुख वजह ये युद्ध ही थे।

अलाउद्दीन खिलजी के रानी पद्मिनी के पीछे हाथ धोकर पड़ जाने से उपजी विपरीत परिस्थितियों के चलते मेवाड़ के राणा रत्नसिंह को युद्ध लड़ना पड़ा था। यदि 'पद्मावत' फिल्म न बनी होती तो यह याद रखना नामुमकिन था कि यह युद्ध कब लड़ा गया था। साथ ही देश-दुनिया यह भी जानने से वंचित रह जाती कि खिलजी किस देश का आक्रांता था। युद्ध पर फिल्में बनाने वाले उन राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय फिल्म निर्माता-निर्देशकों की नई पीढ़ी बेहद शुक्रगुजार रहेगी, जिनके माध्यम से यह पता चलता है कि युद्ध सिर्फ अपनी ऊंची रखने के लिए ही नहीं, अन्य कारणों से भी लड़े जाते थे और लड़े जा रहे हैं।

निबंध के उपसंहार के रूप में यही कहा जा सकता है कि युद्ध जिस उद्देश्य के लिए लड़े जाते हैं, वह उद्देश्य कभी पूरा नहीं होता। कितने निर्दोष नागरिक और मासूम हताहत हुए हैं, यह संख्या और युद्ध कब हुआ था, जैसे आंकड़ों को दोहराने और याद रखने के अलावा इन युद्धों की मानव इतिहास में कोई भूमिका नहीं होती। विश्व विजेता सिकंदर जीवनभर दुनिया जीतने के लिए युद्ध ही करता रहा, लेकिन जब भगवान को प्यारा हुआ तो दोनों हाथ खाली थे।

नॉलेज कॉर्नर: क्लाइमेट चेंज होने के कारण लगातार पिघल रहे ग्लेशियर

जलवायु परिवर्तन आज सबसे बड़ी चुनौती!

जब कभी क्लाइमेट चेंज की बात होती है, तो दिमाग में साउथ पोल की पिघलती हुई बर्फ की तस्वीर आती है। यह सही है कि बर्फ के पिघलने से तटीय देश समुद्र की ऊंची लहरों में डूब जाएंगे। लेकिन इस बर्फ में कुछ ऐसा छिपा हुआ है, जो अगर बाहर आ गया तो जमीनी या किसी भी तरह के इलाके में रहने वाले लोगों का बच पाना नामुमकिन है। वैज्ञानिक ने पाया है कि आर्कटिक की बर्फ में खतरनाक गैस मीथेन जमी हुई है। उससे ज्यादा चिंता की बात यह है कि बर्फ की चादर के नीचे हजारों सालों पुराना जॉम्बी वायरस दफन है। अगर बर्फ के पिघलने की दर ऐसी ही रहती है। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार से जानते हैं इस बारे में...

ग्लेशियर से बड़ी परेशानी पर्माफ्रॉस्ट

आमतौर पर लोगों को लगता है कि जलवायु परिवर्तन से सिर्फ आर्कटिक के ग्लेशियर ही पिघल रहे हैं। लेकिन धरती के बढ़ते तापमान से आर्कटिक के पर्माफ्रॉस्ट भी पिघल रहे हैं। पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से इंसानों को कई गुना घातक आपदा का सामना करना पड़ सकता है। आगे बढ़ने से पहले पर्माफ्रॉस्ट के बारे में समझना जरूरी है। नासा के अनुसार, पर्माफ्रॉस्ट वो जमीन है जो लगातार, कम से कम, दो सालों तक पूरी तरह से जमी रहती है। ये जमीन ऐसे मिट्टी, पत्थर और रेत की बनी

होती है जिन्हें बर्फ साथ जोड़कर रखती है। सतह के पास, पर्माफ्रॉस्ट मिट्टी में बड़ी मात्रा में ऑर्गेनिक कार्बन होता है। यह मरे हुए पौधों का बचा हुआ वो पदार्थ होता है जो ठंड के कारण डीकंपोज या सड़ नहीं पाता। इसके अलावा, पर्माफ्रॉस्ट के नीचे की परतों में ज्यादातर खनिजों से बनी मिट्टी होती है। पर्माफ्रॉस्ट पिघला तो एक साथ कई परेशानियों का पिटारा पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेगा।

जॉम्बी वायरस का प्रकोप

जब पर्माफ्रॉस्ट पिघलता है, तो बर्फ और मिट्टी में कैद प्राचीन बैक्टीरिया और वायरस भी इंसानों के संपर्क में आते हैं। आम भाषा में इन्हें जॉम्बी वायरस कहते हैं। अमेरिका की हेल्थ एजेंसी NCBI के अनुसार, 'जॉम्बी वायरस' शब्द उन वायरस को संदर्भित करता है जो लंबे समय से इनएक्टिव हैं। साल 2013 में साइबेरिया के पर्माफ्रॉस्ट में 30,000 साल पुराना वायरस पहचाना गया था। कुछ समय पहले, रूस में जमी हुई झील में इससे भी 10 हजार साल पुराना पैंडोरावायरस येडोमा जॉम्बी वायरस मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, वहां ऐसा जॉम्बी वायरस मिला है जो हजारों सालों तक जमे रहने के बाद भी संक्रामक है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये वायरस इंसानों और जानवरों दोनों के लिए गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

नई महामारी का जन्म

यदि जॉम्बी वायरस का संक्रमण फैलता है, तो हमारा इम्यून सिस्टम इनसे निपटने में सक्षम नहीं है, क्योंकि प्राचीन वायरस की संरचना आज के वायरस से बहुत अलग होगी, इसलिए जॉम्बी वायरस से लड़ने के खिलाफ कोई दवा और टीका भी तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाएगा। सभी जॉम्बी वायरस फैल सकते हैं और नई महामारी को जन्म दे सकते हैं। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
जहां बीते 10 वर्ष देश की नारी शक्ति के उत्थान के रहे हैं, वहीं आने वाले 5 वर्ष हमारी माताओं-बहनों और बेटियों के अभूतपूर्व सशक्तिकरण के होंगे।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
हमारी सरकार कर रही है मोदी की गारंटी को साकार... वरिष्ठ नागरिकों को रोडवेज बसों में 20 फीसदी अधिक मिलेगी किराए में छूट। रोडवेज किराए में अब 30 के बजाय 50 फीसदी मिलेगी छूट। वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा लाभ। हमारी सरकार समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास एवं उत्थान के लिए संकल्पबद्ध हैं।

महाराष्ट्र में पक रही सियासी खिचड़ी? राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष का सियासी दांवपेच

शरद पवार ने शिंदे को भेजा डिनर का निमंत्रण, अजित पवार को भी बुलाया

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत के कद्दावर नेता शरद पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत भतीजे अजित पवार को अपने घर पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार 2 मार्च को बारामती में अपने आवास पर महाराष्ट्र के शीर्ष नेताओं का स्वागत करने वाले हैं। शरद पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखे एक पत्र में कहा कि आप

सरकारी यात्रा के लिए 2 मार्च को बारामती आ रहे हैं।

उस दिन महारोजगार मेला विद्या प्रतिष्ठान, विद्यानगरी, बारामती के मैदान में आयोजित किया जा रहा है। विद्या प्रतिष्ठान का मैं संस्थापक अध्यक्ष हूं, संगठन के अध्यक्ष के रूप में मैं संगठन के परिसर में आपका स्वागत करना चाहता हूं। शरद पवार ने अपनी चिट्ठी में आगे लिखा, कि मुझे बहुत खुशी है कि आप मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद सबसे पहले बारामती शहर आ रहे हैं। मैंने आपको बारामती में अपने आवास 'गोविंदबाग' में आतिथ्य का आनंद लेने के लिए पहले ही फोन पर आमंत्रित किया है।

परिवार की लड़ाई बनी बारामती की सीट?

शरद पवार के इस निमंत्रण के बाद से सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। शरद पवार की चिट्ठी ऐसे वक्त पर सामने आई जब उनके भतीजे अजित पवार बारामती से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवार को उतारने की तैयारी में हैं। मौजूदा वक्त में बारामती सीट से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले सांसद हैं। ऐसी अटकलें हैं कि अजित पवार सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार के चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं।

बारामती की सीट हमेशा से रही है अहम

महाराष्ट्र के पुणे जिले में पड़ने वाली बारामती लोकसभा सीट हमेशा से अहम रही है। यह लोकसभा सीट उत्तर पश्चिम महाराष्ट्र क्षेत्र में आती है, बारामती शहर इस सीट का केंद्र है। 2019 महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव में सुप्रिया सुले ने जीत हासिल की थी। यदि अजित पवार अपनी पत्नी को बारामती सीट से उतारते हैं तो यह सीट सुप्रिया सुले के लिए मुश्किल जरूर होने जा रही है। ऐसे में शरद पवार के इस निमंत्रण में क्या मंथन होगा इसे लेकर सियासी गलियारे में चर्चा का माहौल गर्म है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। मोदी कैबिनेट ने गुरुवार को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत 1 करोड़ घरों को 300-300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके तहत रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने वाले एक करोड़ परिवारों को 15 हजार रुपए की सालाना आमदनी भी होगी। पीएम मोदी ने 13 फरवरी को इस योजना को लॉन्च किया था। इस योजना में हर परिवार के लिए 2 किलोवाट तक के सोलर प्लांट की कॉस्ट का 60% पैसा सब्सिडी के रूप अकाउंट में आएगा। वहीं अगर कोई 3 किलोवाट का प्लांट लगाना चाहता है तो अतिरिक्त एक 1 किलोवाट के प्लांट पर 40% सब्सिडी मिलेगी।

UP की 7 सीटों पर प्रत्याशी खड़ा करेगी ओवैसी की पार्टी

लखनऊ। आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) ने उत्तर प्रदेश में सात सीटों पर प्रत्याशी उतारने का फैसला कर लिया है। यह सभी सीटें मुस्लिम बहुल वाली सीटें हैं। ओवैसी की पार्टी ने इसके लिए रणनीति भी बना ली है। माना जा रहा है कि ओवैसी के कदम से इंडिया गठबंधन खासकर समाजवादी पार्टी को मुश्किलें हो सकती हैं। पार्टी के प्रवक्ता आसिम वकार ने साफ कहा कि एआईएमआईएम अखिलेश यादव की संभावित सीट आजमगढ़ पर प्रत्याशी उतारने के साथ ही शिवपाल यादव की बदायूं सीट पर भी उम्मीदवार उतारेगी। इसी तरह सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव के बेटे की सीट फिरोजाबाद पर भी उम्मीदवार उतारेगी। इसके अलावा संभल, मुरादाबाद, अमरोहा और मेरठ जैसी सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाएंगे।

मोदी ने एमपी को दी 17,551 करोड़ के प्रोजेक्ट की सौगात, बोले...

'अबकी बार 400 के पार' का नारा जनता ने ही किया बुलंद

उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का शुभारंभ

एजेंसी | भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज चारों तरफ एक ही बात सुनाई देती है, अबकी बार 400 पार। पहली बार ऐसा हुआ है जब जनता ने खुद अपनी प्रिय सरकार की वापसी के लिए ऐसा नारा बुलंद कर दिया है। ये नारा भाजपा ने नहीं, बल्कि देश की जनता-जनार्दन का दिया हुआ है। मोदी की गारंटी पर देश का इतना विश्वास भाव-विभोर करने वाला है। हमारे लिए सरकार बनाना अंतिम लक्ष्य नहीं है। हमारे लिए सरकार बनाना देश निर्माण का माध्यम है। हम तीसरी बार में देश को तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए चुनाव में उतर रहे हैं। पीएम मोदी गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित भारत विकसित मध्य प्रदेश' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत मंत्रीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। राज्यपाल पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पीएम ने कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर उज्जैन में स्थापित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण और 17,000 करोड़ रुपए से से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें सिंचाई, बिजली, सड़क, रेल, कोयला, उद्योग से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। उन्होंने उज्जैन में स्थापित विश्व की पहली वैदिक घड़ी का उद्घाटन और प्रदेश के सभी जिलों में साइबर तहसील परियोजना की भी शुरुआत की। मोदी ने कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के कार्यक्रम में 200 से ज्यादा स्थानों पर 20 लाख से ज्यादा लोग जुड़े हों, यह सामान्य नहीं है।

ये हमारी गौरवशाली विरासत और वर्तमान के विकास का उत्सव है। हमारी सरकार विरासत और विकास को कैसे एक साथ लेकर चलती है, इसका प्रमाण उज्जैन में लगी वैदिक घड़ी भी है। यह भारत को विकसित बनाएगा।

विश्व में बढ़ी है भारत की साख

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले के 10 वर्षों में देश के करीब 40 लाख हेक्टेयर भूमि को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया गया था, लेकिन बीते 10 वर्षों में इसका दोगुना करीब 90 लाख हेक्टेयर खेती को सूक्ष्म खेती से जोड़ा गया है। बीते 10 वर्षों में पूरे विश्व में भारत की साख बहुत अधिक बढ़ी है। आज दुनिया के देश भारत के साथ दोस्ती करना पसंद करते हैं। कोई भी भारतीय आज विदेश जाता है, तो उसको बहुत सम्मान मिलता है। भारत की इस बढ़ी हुई साख का सीधा लाभ निवेश में होता है, पर्यटन में होता है। आज अधिक से अधिक लोग भारत आना चाहते हैं और आएंगे तो एमपी आना ही है, क्योंकि एमपी अजब है गजब है। ओंकारेश्वर और ममलेश्वर में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। ओंकारेश्वर में विकसित किए जा रहे एकात्म धाम की वजह से यह संख्या और बढ़ेगी। 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ होने वाला है। इच्छापुर से इंदौर तक फोन लेन बनने से श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। रेल परियोजनाओं से भी मध्य प्रदेश की कनेक्टिविटी सशक्त होगी।

MP के 55 जिलों में साइबर तहसील योजना का विस्तार

पीएम मोदी ने कहा कि गांव वालों को जमीन से जुड़े छोटे-छोटे तहसीलों के चक्कर काटने पड़ते थे। अब हमारी डबल इंजन सरकार ने पीएम स्वामित्व योजना के जरिये स्थायी समाधान निकाल रही है। मध्य प्रदेश तो इस योजना के तहत शत-प्रतिशत गांवों का ड्रोन से सर्वे किया जा चुका है। 20 लाख से अधिक स्वामित्व कार्ड दिए जा चुके हैं। गांव के घरों के कानूनी दस्तावेज मिल रहे हैं, इससे गरीब कई तरह के विवादों से बचेगा। गरीब को हर मुसीबत से बचाना ही तो मोदी की गारंटी है। मध्य प्रदेश के सभी 55 जिलों में साइबर तहसील योजना का विस्तार किया जा रहा है। नामांतरण, रजिस्ट्री से जुड़ी समस्याओं का समाधान डिजिटल माध्यम से हो जाएगा। इससे ग्रामीण परिवारों का समय और पैसा बचेगा।

कांग्रेस के 6 बागी विधायक अयोग्य घोषित

कांग्रेस बोली- विफल हुआ ऑपरेशन लोटस

सुक्खू सरकार से टल गया संकट

एजेंसी | नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार से खतरा टल गया है। सुखविंदर सिंह सुक्खू प्रदेश के सीएम बने रहेंगे। सरकार पर पैदा हुए कथित संकट और क्रॉस वोटिंग के बाद पैदा हुई स्थिति को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सीएम सुक्खू और कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने बताया कि सरकार पर कोई संकट नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी और विधायकों के बीच पैदा हुए मतभेद सुलझा लिए गए हैं। डीके शिवकुमार ने कहा कि सुक्खू सीएम बने रहेंगे। राज्य में ऑपरेशन लोटस फेल हो चुका है। कांग्रेस के लिए अब प्राथमिकता लोकसभा चुनाव है। विधायकों को अयोग्य करार देने के कारण फिलहाल हिमाचल प्रदेश की सरकार से खतरा टल गया है।

68 विधायकों वाले हिमाचल प्रदेश में अब कांग्रेस के पास 34 विधायक बचे हैं। वहीं बीजेपी के पास 25 विधायक हैं और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन है। बहुमत का आंकड़ा 35 का है। 6 विधायक बागी हुए तो कांग्रेस का नंबर 34 पर आ गया था। यह बहुमत से एक नंबर कम था। अब सब कुछ ठीक है।

बागी विधायक कोर्ट पहुंचे

राज्यसभा चुनाव में भाजपा के लिए क्रॉस वोटिंग करने वाले छह कांग्रेस विधायकों को हिमाचल विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। बागी विधायकों पर दल-बदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई हुई है। विधानसभा स्पीकर कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि विधायकों ने चुनाव कांग्रेस के सिंबल पर लड़ा, लेकिन वोट भाजपा के पक्ष में दिए। यह पार्टी के व्हिप का उल्लंघन है। इसके बाद बागी विधायकों ने हाईकोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी है। स्पीकर ने कहा कि मैंने दोनों पक्षों को सुना। तीस पन्नों का ऑर्डर दिया है। घोषणा करता हूं कि छह लोग तत्काल प्रभाव से हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सदस्य नहीं रहेंगे। जिन विधायकों पर कार्रवाई की गई है उनमें सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, राजेंद्र राणा सिंह, चैतन्य शर्मा, देवेंद्र भुट्टो, इंदर दत्त लखनपाल शामिल हैं।

'ऑपरेशन लोटस' को प्रियंका गांधी ने किया नाकाम

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि भाजपा के 'ऑपरेशन लोटस' को विफल करने के लिए प्रियंका गांधी पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ निरंतर संपर्क में बनी रहीं। सूत्रों ने प्रियंका गांधी की भूमिका का उल्लेख ऐसे समय किया जब पार्टी ने आधिकारिक रूप से कहा है कि हिमाचल प्रदेश में अब स्थिति कंट्रोल में है और सरकार अस्थिर करने का भाजपा का प्रयास विफल रहा।

लोकसभा चुनाव में नए चेहरों को मौका दे सकती है बीजेपी

भाजपा: 100 सांसदों के कट सकते हैं टिकट

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में बीजेपी इस बार नए चेहरों को ज्यादा मौका दे सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक पार्टी इस बार करीब 100 या इससे ज्यादा सांसदों के टिकट काट सकती है। बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग में इस संबंध में भी चर्चा की गई। एक-दो दिन में बीजेपी लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। बीजेपी ने पिछले साल हुए अलग अलग विधानसभा चुनाव में भी कई विधायकों के टिकट काटे थे

और इसमें सीनियर नेता भी शामिल थे। पार्टी नेताओं में इसकी चर्चा है कि लोकसभा चुनाव में इस बार बड़ी संख्या में टिकट काटे जाएंगे और नए चेहरों को ज्यादा मौका मिलेगा। बीजेपी को राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में नए चेहरों को उम्मीदवार बनाने का फायदा भी मिला है। बीजेपी लगातार यह संदेश भी दे रही है कि बीजेपी में कार्यकर्ता सबसे अहम है और पार्टी जिसे चाहे उसे जिम्मेदारी दे सकती है। भाजपा की टॉप लीडरशिप ने अब तक यूपी, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, उत्तराखंड, त्रिपुरा और कुछ अन्य राज्यों के नेताओं से मीटिंग की है। इस मीटिंग में मंथन हुआ है कि किन नए उम्मीदवारों को मौका दिया जाए और कहां पर कैंडिडेट रिपीट न किए जाएं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि राज्यों से हर सीट पर तीन कैंडिडेट्स के नाम भेजे गए हैं। अब केंद्रीय चुनाव समिति में इन नामों पर मंथन होगा और उसके बाद ही ऐलान किया जाएगा।

राहुल की जगह अमेठी से चुनाव लड़ेंगे वरुण?

नई दिल्ली। बीजेपी के पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। कयास लग रहे थे कि वरुण गांधी आगामी लोकसभा चुनाव में अमेठी से निर्दलीय मैदान में उतर सकते हैं और सपा व कांग्रेस वहां से उनका समर्थन कर सकती है। हालांकि, अब बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने अमेठी से चुनाव लड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया है। मालूम हो कि अमेठी कई दशकों तक गांधी परिवार का गढ़ रही है।

गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में किया पेश

शाहजहां शेख पर एक्शन, TMC ने किया 6 साल के लिए निलंबित

एजेंसी | कोलकाता

संदेशखाली कांड के मुख्य आरोपी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शाहजहां शेख को पार्टी ने छह साल के लिए निलंबित कर दिया। वहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने इस मामले को सीआईडी को सौंप दिया है।

शाहजहां को गिरफ्तार कर बशीरहाट से भवानी भवन ले जाया गया, जहां कोर्ट ने शाहजहां को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। राज्य पुलिस भवानी भवन में ही शाहजहां से पूछताछ करेगी। पुलिस के मुताबिक शाहजहां को बुधवार रात मिनाखान से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद गुरुवार

सुबह उसे बशीरहाट कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शाहजहां की गिरफ्तारी पर चर्चा के लिए सीआईडी और राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार रात एक बैठक की। यहीं पर गिरफ्तारी और उसके बाद की कार्यवाही तय हुई, इसके बाद रात को शाहजहां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद भी अकड़ में था शेख

सफेद कुर्ता-पायजामा पहने शेख सुबह करीब 10 बजकर 40 बजे हवालात से बाहर आया और अदालत कक्ष की ओर चल दिया। उसने वहां इंतजार कर रहे मीडियाकर्मियों की तरफ हाथ हिलाया। मुश्किल से दो मिनट तक चली अदालती सुनवाई के बाद पुलिस उसे अज्ञात स्थान पर ले गई। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बीते दिवस कहा था कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या पश्चिम बंगाल पुलिस शेख को गिरफ्तार कर सकती है। इसके 24 घंटे के भीतर ही शेख को हिरासत में ले लिया गया।

अंधकार के बाद उजाला जरूर होता है: बोस

राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने कहा कि अंधकार के बाद उजाला जरूर होता है। राज्यपाल ने पत्रकारों से कहा कि यह एक अंत की शुरुआत है। हमें बंगाल में हिंसा के चक्र को समाप्त करना होगा। बंगाल के कुछ हिस्सों में गुंडे राज कर रहे हैं। यह खत्म होना चाहिए और गैंगस्टर को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए।

गिरफ्तारी को लेकर भिड़ी टीएमसी: भाजपा

तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि अदालत के निर्देश के बाद ही गिरफ्तारी संभव हुई, जबकि भाजपा ने इसे 'पूर्व नियोजित' करार दिया है। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि कानूनी उलझन के कारण शुरुआत में उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। हालांकि, अदालत द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि उसकी गिरफ्तारी पर कोई रोक नहीं है, पश्चिम बंगाल पुलिस ने अपना काम किया। विपक्ष ने उसकी गिरफ्तारी पर लगी 'रोक' का फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि हमने कहा था कि शेख को सात दिन में गिरफ्तार कर लिया जाएगा, क्योंकि हमें राज्य पुलिस की क्षमता पर भरोसा था।भाजपा ने दावा किया कि पुलिस को उनके आंदोलन के कारण शेख को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, "यह तृणमूल और राज्य पुलिस ही थी जो दोषियों को बचा रही थीं। अब उसे एक अच्छी तरह से गढ़ी गई कहानी के हिस्से के रूप में गिरफ्तार किया गया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के लगातार आंदोलन के कारण राज्य प्रशासन को उसे गिरफ्तार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

एक महीने से चल रहा प्रदर्शन

आरोपी शाहजहां और उसके सहयोगियों पर संदेशखाली की कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। क्षेत्र में एक महीने से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन चल रहा है। तृणमूल नेता पर आईपीसी की धारा 147 (दंगा करने का दोषी), 148 (घातक हथियार से लैस होकर दंगा करने का दोषी), 149 (गैरकानूनी सभा), 307 (हत्या का प्रयास), 333 (जो कोई भी स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाता है) और 392 (डकैती) के तहत आरोप लगाया गया है।

जरूरी खबर

DGCA का AIR INDIA पर 30 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट से 12 फरवरी को न्यूयॉर्क से 76 साल की अपनी पत्नी नर्मदाबेन पटेल के साथ मुंबई एयरपोर्ट उतरे 80 साल के बाबू पटेल की व्हीलचेयर न मिलने से हुई मौत मामले में डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 30 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई है। डीजीसीए का कहना है कि इस मामले में एयर इंडिया हवाई जहाज के नियमों का सही ढंग से पालन नहीं कर पाया। लिहाजा उसके खिलाफ 30 लाख की पेनल्टी लगाई जाती है। डीजीसीए ने अन्य एयरलाइंस को सलाह दी है कि जिन यात्रियों को फ्लाइट में चढ़ने-उतरने में किसी भी तरह की परेशानी होती है। उन सभी के लिए संबंधित तमाम एयरलाइंस पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

इस बार समय पर आएगा दक्षिण पश्चिमी मॉनसून!

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अहम दक्षिण पश्चिमी मॉनसून को लेकर मौसम एक्सपर्ट ने संभावना जताई है कि इस बार यह समय पर आएगा और सामान्य रहेगा। मौजूदा अल नीनो जून में कमजोर पड़ेगा। इसके बाद जुलाई और अगस्त के दौरान ला नीना की स्थिति बन सकती है। इसी से अनुमान है कि इस साल मॉनसूनी सीजन पिछले साल से अधिक अच्छा रह सकता है। आम तौर पर अल नीनो देश में सूखा और खराब मॉनसून से जबकि ला नीना औसत से अधिक बारिश और ठंडी से जुड़ा है।

डिंडौरी में पिकअप पलटने से 14 लोगों की मौत

डिंडौरी। मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले में भीषण हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, शाहपुर पुलिस थाना क्षेत्र में ड्राइवर के नियंत्रण खो देने के बाद एक पिकअप पलट गया। पिकअप में करीब 45 लोग सवार थे। घटना शाहपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के करीब 3 बजे हुई। ये लोग एक गोद भराई कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुर्घटना पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मदद राशि देने की घोषणा की है।

DRDO ने किया कम दूरी वाली वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। *रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर से बेहद कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण 28 और 29 फरवरी को किए गए थे। रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, सभी परीक्षण उड़ानों के दौरान मिशन के उद्देश्यों को पूरा करते हुए लक्ष्यों को मिसाइलों द्वारा रोका और नष्ट कर दिया गया था।*

तीस साल बाद सजा को किया माफ

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आत्महत्या के लिए तीन दशक पहले अपनी पत्नी को उकसाने के आरोपी एक व्यक्ति को बरी करते हुए कहा है कि शादी के सात साल के भीतर अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पति को तब तक दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक कि उत्पीड़न या क्रूरता के पुख्ता सबूत न हों। भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113ए उन मामलों में पति और ससुराल वालों द्वारा उकसाये जाने की धारणा स्थापित करती है जहां शादी के सात साल के भीतर महिला ने आत्महत्या की हो और वह क्रूरता का शिकार हुई हो। मौजूदा मामले में आरोपी व्यक्ति की शादी 1992 में हुई थी। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि शादी के तुरंत बाद आरोपी और उसके माता-पिता ने पैसे की मांग करना शुरू कर दिया क्योंकि वह (आरोपी) राशन की दुकान शुरू करना चाहता था।

खनौरी बॉर्डर पर आठवें दिन किया गया अंतिम संस्कार

नम आंखों से हजारों किसानों ने शुभकरण को दी विदाई

एजेंसी | जींद

युवा किसान शुभकरण सिंह के पार्थिव शरीर का गुरुवार को आठवें दिन अंतिम संस्कार किया गया। शुभकरण सिंह के पार्थिव शरीर को फार्म यूनियन के झंडे में लपेट कर राजिंदरा अस्पताल से पटियाला से खनौरी बॉर्डर पर लाया गया था, जहां पर अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में किसान बीकेयू एकता और किसान मजदूर मोर्चा के झंडे के साथ इकट्ठा हुए थे।

गौरतलब है कि 21 फरवरी को हरियाणा पुलिस और किसानों के बीच हुई हिंसक टकराव के दौरान बठिंडा के रहने वाले 22 वर्षीय युवा किसान की गोली लगने से जान चली गई थी। इसके बाद

किसानों ने शुभकरण सिंह के शव को सात दिन तक पटियाला राजिंदरा अस्पताल की मोर्चरी में रखा था। इस दौरान किसानों की सरकार से मांग थी कि शुभकरण सिंह के हत्या के आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हो। इसके बाद पंजाब पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने हत्या और अपराध के लिए उकसाने को लेकर मामला दर्ज किया है।

परिजनों के पंजाब सरकार से की ये मांग

पंजाब के किसान MSP समेत विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर 13 फरवरी से डटे हुए हैं। इसी दौरान 21 फरवरी को शुभकरण की मौत हो गई थी। इसके बाद शुभकरण के परिवार वालों ने पंजाब सरकार के सामने मांग रखी थी कि जब तक भगवंत मान सरकार शुभकरण के हत्यारों को सजा नहीं देगी, तब तक उसका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। हालांकि, अब पंजाब पुलिस के मामला दर्ज करने के बाद किसानों ने शुभकरण सिंह के शव का अंतिम संस्कार किया। युवा किसान के अंतिम संस्कार में हजारों की संख्या में किसान शामिल हुए।

3 मार्च को किसान संगठनों से होगी मीटिंग

युवा किसान शुभ करण सिंह के अंतिम संस्कार पर पंजाब किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि शंभू और खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन जारी है। 3 मार्च को देश के दो बड़े मंच (एसकेएम और बीकेयू) की ओर से बल्लोह गांव में प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। पंजाब और हरियाणा जैसे आसपास के राज्यों के सभी किसानों, मजदूरों और महिलाओं से इसमें शामिल होने का अनुरोध किया है।

हर्ल प्लांट करेंगे राष्ट्र को समर्पित

मोदी आज झारखंड को देंगे करोड़ों की सौगात

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मार्च की सुबह करीब 11 बजे झारखंड के धनबाद जिले के सिंदरी में शिरकत करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

वे झारखंड में 35,700 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी सिंदरी हर्ल, रेल, बिजली और कोयला क्षेत्र से संबंधित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें 17,600 करोड़ रुपए से अधिक की कई रेल परियोजनाओं भी शामिल हैं। इसके साथ ही पीएम तीन ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाएंगे।

तीसरे उर्वरक संयंत्र को करेंगे समर्पित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मार्च को हर्ल (हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड) सिंदरी उर्वरक संयंत्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 8900 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित यह उर्वरक संयंत्र यूरिया क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है। इससे देश में प्रति वर्ष लगभग 12.7 एलएमटी स्वदेशी यूरिया उत्पादन बढ़ेगा। इससे देश के किसानों को लाभ होगा. गोरखपुर और रामागुंडम में उर्वरक संयंत्रों के पुनरुद्धार के बाद यह देश में पुनर्जीवित होने वाला तीसरा उर्वरक संयंत्र है, जिन्हें क्रमशः दिसंबर 2021 और नवंबर 2022 में प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था।

हरियाणा सरकार को हाई कोर्ट का सख्त आदेश

बिना इजाजत के 'राम रहीम' को न दें पैरोल

एजेंसी | चड़ीगढ़

साध्वियों के साथ बलात्कार और पत्रकार रामचन्द्र छत्रपति व डेरा प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या के मामले में रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा मुखी राम रहीम को बार-बार पैरोल दिए जाने के मामले में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को कहा है कि भविष्य में बिना अदालत की इजाजत के राम रहीम को पैरोल न दी जाए। राम रहीम की पैरोल 10 मार्च को समाप्त हो रही है और उस दिन ही डेरा मुखी को सरेंडर करने को कहा गया है।

हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार से पूछा कि राज्य सरकार बताए कि डेरा मुखी राम रहीम की तरह अन्य और कितने कैदियों को इसी तरह से पैरोल दी गई। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को अगली सुनवाई पर यह जानकारी देने को कहा है। अगली सुनवाई 13 मार्च को होगी।

एसजीपीसी ने हाई कोर्ट में दी थी चुनौती

डेरा मुखी राम रहीम को बार-बार दी जा रही पैरोल को शिरोमणि गुरुदवारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। एसजीपीसी का कहना था कि डेरा मुखी राम रहीम के खिलाफ कई संगीन मामले दर्ज हैं और इनमें उसे दोषी करार दे सजा भी सुनाई जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद हरियाणा सरकार डेरा मुखी को पैरोल दे रही है जो गलत है इसलिए डेरा मुखी को दी गई पैरोल को रद्द किया जाए।

9वीं बार दी गई राम रहीम को पैरोल

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को इस साल जनवरी में 50 दिनों की पैरोल मिली थी। इस तरह पिछले चार सालों में 9वीं बार राम रहीम को पैरोल दी गई है। हर बार की तरह इस बार भी वह यूपी के बागपत आश्रम में चला गया था। साल 2023 में तो उसे तीन बार पैरोल मिली थी। डेरा प्रमुख को जब-जब पैरोल दी जाती है, तब-तब हरियाणा सरकार विपक्ष और एसजीपीसी के निशाने पर आ जाती है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जारी की रिपोर्ट

मध्य प्रदेश फिर बना तेंदुआ स्टेट

एजेंसी | नई दिल्ली

मध्य प्रदेश एक बार फिर तेंदुआ स्टेट बन गया। केंद्रीय पर्यावरण, मंत्री भूपेंद्र यादव ने रिपोर्ट जारी कर बताया कि देश के सर्वाधिक 3907 तेंदुए मध्यप्रदेश के जंगलों में उपलब्ध हैं। मप्र को लगातार दूसरी बार तेंदुआ स्टेट घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव और वन मंत्री नागर सिंह चौहान ने विभागीय अमले को बधाई दी है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया कि देश में तेंदुओं की आबादी 13,874 (रेंज 12,616 - 15,132) होने का

अनुमान है। जो छह साल पहले 2018 में 12852 (12,172-13,535) की तुलना में स्थिर आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह अनुमान तेंदुए के निवास स्थान की 70 प्रतिशत आबादी को दर्शाता है। इसमें हिमालय और देश के अर्धशुष्क हिस्सों के आंकड़े नहीं हैं। मध्यप्रदेश के बाद देश में तेंदुओं की सर्वाधिक संख्या महाराष्ट्र में हैं। यहां 1985 तेंदुए उपलब्ध हैं। जबकि, कर्नाटक में 1,879 और तमिलनाडु में 1,070 तेंदुए रहते हैं। वर्ष 2018 में मप्र में 3421 तेंदुए मिले थे, जो बढ़कर 3907 हो गए हैं।

जीडीपी के नए आंकड़े

GDP आंकड़ों पर बड़ा सरप्राइज, 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी इकोनॉमी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रही

एजेंसी | नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। इस तिमाही में देश की इकोनॉमी 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी है।

इकोनॉमी में यह तेजी अनुमान से कहीं ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसंबर तिमाही के लिए ग्रोथ को 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया था। इसके अलावा एसबीआई रिसर्च का अनुमान था कि दिसंबर तिमाही में जीडीपी की दर 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसी तरह तमाम रेटिंग एजेंसी और एक्सपर्ट ने भी ग्रोथ के आंकड़ों में सुस्ती के अनुमान लगाए थे।

हालांकि, अब सारे अनुमान ध्वस्त हो चुके हैं और सरकारी आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर तिमाही में इकोनॉमी की ग्रोथ 8 फीसदी से ज्यादा की रही। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रही। इस तरह तिमाही आधार पर देश की जीडीपी में ग्रोथ देखने को मिली है।

विकसित भारत बनाने में मदद मिलेगी: पीएम मोदी

जीडीपी के नए आंकड़ों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रिएक्ट किया है। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा- वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 8.4% की मजबूत जीडीपी वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत और हमारी क्षमता को दिखाती है। हमारे प्रयास तेज आर्थिक विकास लाने के लिए जारी रहेंगे। इससे 140 करोड़ भारतीयों को बेहतर जीवन जीने और एक विकसित भारत बनाने में मदद मिलेगी।

15 महीने के निचले स्तर पर कोर सेक्टर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि भारत में आठ कोर सेक्टर की विकास दर जनवरी में सालाना आधार पर 15 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। इस महीने में विकास दर 3.6 प्रतिशत की रही। दिसंबर 2023 में सूचकांक 4.9 फीसदी और जनवरी 2023 में 9.7 फीसदी की दर से बढ़ा था। सरकारी बयान के मुताबिक कोर सेक्टर के कोयला, स्टील, सीमेंट, प्राकृतिक गैस, बिजली और कच्चे तेल के उत्पादन में पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की गई।

जनवरी तक राजकोषीय घाटा

चालू वित्त वर्ष में जनवरी के अंत तक सरकार का राजकोषीय घाटा 11 लाख करोड़ रुपए के साथ संशोधित वार्षिक लक्ष्य के 63.6 प्रतिशत पर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में सरकारी खर्च और राजस्व के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा केंद्रीय बजट 2022-23 के संशोधित अनुमान (आरई) का 67.8 प्रतिशत था। मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार का राजकोषीय घाटा 17.35 लाख करोड़ रुपए यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

प्रेस प्रीमियर लीग-2024 (पीपीएल): टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले

सच बेधड़क दैनिक भास्कर डिजिटल को शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

***जयपुर।** प्रेस प्रीमियर लीग-2024 (पीपीएल) में सच बेधड़क टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। गुरुवार को दैनिक भास्कर डिजिटल से हुए मुकाबले में सच बेधड़क ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए सामने वाली टीम को करारी शिकस्त दी। सच बेधड़क हर क्षेत्र में अव्वल नजर आई और सभी खिलाड़ियों ने उच्च कोटि के खेल दर्शाते हुए जीत पक्की की।*

टॉस जीतकर पहले बैटिंग का लिया निर्णय

सुबह के हुए मुकाबले में सच बेधड़क टीम के कप्तान कार्तिक शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, जो सही साबित हुआ। अंकुश और शुभम सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे और शुभम ने 47 बॉल पर 88 रन बनाकर शानदार शुरुआत दी। इसके बाद हरमन ने 30 और धर्मेंद्र ने 28 तो लविश ने 33 ने रन बनाते हुए कुल स्कोर 7 विकिट पर 217 रन पहुंचा। विमल सिंह तंवर ने भी बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 1 ओवर में मात्र 2 रन देकर अच्छी भूमिका निभाई। जवाब में बेटिंग करने उतरी दैनिक भास्कर डिजिटल की टीम ने 20 ओवर में 3 विकिट खोकर मात्र 146 रन बना सकी और करारी हार का सामना करना पड़ा।

शुभम मैन ऑफ द मैच

सच बेधड़क टीम के सलामी बल्लेबाज शुभम ने 47 बॉल पर ताबड़तोड़ 88 रन बनाकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया और उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत सच बेधड़क मैच विजेता रही। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभम को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

क्वार्टर फाइनल की तैयारी हुई तेज

सच बेधड़क टीम ने अपने 3 मैचों में 2 में शानदार जीत दर्ज की है और अब टीम की नजर ट्रॉफी पर है। इसके लिए क्वार्टर फाइन की तैयारी तेज हो गई है। कप्तान कार्तिक शर्मा ने बताया कि अभी तक टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और उसी की बदोलत यहां तक पहुंचे हैं। टीम के सभी प्लेयर्स आत्मविश्वास से भरे हैं और आगामी बड़े मैचों की तैयारी कर रहे हैं।

फूलों की होली में महाप्रसादम्

बेधड़क. जयपुर। कृष्ण कृपामूर्ती श्रील भक्तिसिद्धान्त महाराज भगवान चैतन्य महाप्रभु के प्रतिनिधि थे और इस्कॉन फाउंडर एसी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के आध्यात्मिक गुरु थे। उनकी 150वीं जयंती पर जगतपुरा स्थित श्री श्री कृष्ण बलराम मंदिर में समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन की पूर्व संध्या पर हरे कृष्ण कल्चर सेंटर के जगन्नाथ हॉल में गौर निताई पालकी उत्सव हुआ, जिसमें भक्तों ने भाव विभोर होकर नृत्य किया। गौर निताई विग्रह का अभिषेक किया गया। भक्तों ने डेढ़ सौ क्विंटल फूलों से होली खेली और उसके बाद महाप्रसादम् ग्रहण किया। मंदिर में फूलों की विशेष झांकी सजाई गई। भक्तों ने कीर्तन और नाम जप करते हुए भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुरजी की लीलाओं का स्मरण किया।

सप्तशती मंत्रों से मां की आराधना

बेधड़क. जयपुर। वैशाली नगर विस्तार गांधी पथ से आगे लालरपुरा में इन दिनों मां जगदंबा की महिमा गूंज रही है। यहां स्थित सेवन हेवन बिल्डिंग में विश्वकल्याण की कामना से दस दिवसीय शत चंडी अनुष्ठान किया जा रहा है। इसमें दुर्गा उपासक आचार्य पं. बाबूलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्यारह विद्वान सस्वर दुर्गा सप्तशती का पाठ कर रहे हैं। आयोजन के सावतें दिन गुरुवार को सुबह 10 बजे से आवाहित देवताओं की षोड्षोपचार पूजा की गई। इसमें प्रथम पूज्य भगवान गणेश, षोड्श मातृका, सप्तघृत मातृका, चोसठ योगिनी, नवग्रह, पंच लोकपाल, बावन भैरव, भगवान वरुण और प्रधान पीठ पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां जगदंबा की पूजा-अर्चना की गई। पूजा के बाद मां भगवती और भगवान शिव की महाआरती की गई। पं. बाबूलाल शर्मा ने बताया कि विश्वकल्याण की कामना से यह अनुष्ठान किया जा रहा है। अनुष्ठान का समापन 3 मार्च को हवन-यज्ञ के साथ होगा। यज्ञ में दुर्गा सप्तशती के मंत्रों से आहुतियां दी जाएगी।

City इवेंट्स

शिविर में 119 यूनिट रक्त एकत्र

बेधड़क. जयपुर। गोदावरी फाउंडेशन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन मालवीय नगर में किया गया। इस मौके पर विधायक कालीचरण सराफ, राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, वार्ड पार्षद राम प्रसाद शर्मा, पार्षद गोविंद छीपा आदि उपस्थित रहे। फाउंडेशन अध्यक्ष महामंत्री चंद्र प्रकाश (बाबू भाई) व जय नायक (टोनी) ने बताया कि रक्तदाताओं को फाउंडेशन की ओर से हेलमेट वितरित किए गए। इस दौरान 119 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस मौके पर नरेंद्र सिंह, बलजिंदर सिंह, प्रवीण मेहता, रामपाल जैन, सुरेश अरोड़ा, शक्ति सिंह, पंकज चंदवानी, अशोक, विकास सिंह, कमल सिंह नेपाली, नीलम गुलाटी, अमिता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हृदयांश के लिए जुटाए 1.11 लाख

बेधड़क. जयपुर। अतिदुर्लभ बीमारी एसएमए से जूझ रहे 21 माह के हृदयांश शर्मा के लिए सद्भावना परिवार ने एक ही दिन में 1,11,000 रुपए की सहयोग राशि जुटाकर सहयोग किया। फाउंडेशन अध्यक्ष मनोज पाण्डे ने बताया कि धोलपुर के मनिया में कार्यरत थानाधिकारी नरेश शर्मा के पुत्र हृदयांश दुर्लभ बीमारी से ग्रसित हैं, जिसके इलाज के लिए करीब 18 करोड़ रुपए की जरूरत है। इस कड़ी में 21,000 पं. रामगोपाल शर्मा, 11,000 सद्भावना फाउण्डेशन, 11,000 राजेश मीणा, 5000 सर्वश्रेष्ठ माथुर के अलावा अन्य ने 2100, 1100, 500, 100 रुपए का सहयोग कर 1,11,000 एकत्र किए और 11 लाख रुपए सहयोग करने का लक्ष्य रखा। गुरु इम्पैक्ट के आंकड़ों के अनुसार अब तक 80 लाख रुपए एकत्र हो चुके है।

आसरानी को किया सम्मानित

बेधड़क. जयपुर। विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार की ओर से आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर साइंस पार्क में आयोजित प्रोग्राम में अशोक कुमार आसरानी (राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण मिनी सचिवालय जयपुर में कार्यरत) को विज्ञान व तकनीकी के क्षेत्र में दिए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उनकी ओर से पूर्व में कई नवाचार किए गए। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। इनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, गोल्डन बुक का रिकॉर्ड में दर्ज है।

5 साल तक के बच्चों ने किया अभिनय

'गोपी गवैया, बाजा बजैया' से परेशान हो गए गांव वाले

बेधड़क | जयपुर

मासूम बच्चे और मंच पर उनका मासूमियत भरा अभिनय, लोगों के दिल को छू गया। सबने बच्चों के अभिनय की तारीफ की और उनको माटिवेट किया।

मौका था जयपुर परम्परा नाट्य समिति की ओर से 2 दिवसीय नाट्य समारोह में नाटक 'गोपी गवैया, बागा बजैया' का रवींद्र मंच के स्टूडियो थिएटर में मंचन का। नाटक 5 वर्ष के बच्चों द्वारा खेला गया। बच्चों ने डायलॉग, गायन, एकाग्रता तथा वेश-भूषा में उच्च काम किया। नाटक 'गोपी गवैया, बागा बजैया' दो बुद्धिमान मूर्ख हैं। एक गाने के लिया जीता है और दूसरा ढोल बजाने के लिए जीता है। उनकी घोर अयोग्यता के बावजूद उनका जुनून संगीत की कोई सीमा नहीं जानता। गांव वाले दोनों की संगीत की बारिशों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। गांव वाले दोनों से परेशान हो जाते हैं। उनको गांव से निकाल दिया जाता है, लेकिन वे दोस्ती नहीं छोड़ते। उनकी दोस्ती बरकरार रहती है। नाटक में छोटे बच्चों ने सराहनीय अभियान किया, जिसमें बाल कलाकार केशव, बरखा, सांशिका, मायरा, डिंपल, रिया, ईशान, माधव, आयुष, अयांश, श्रेयांश आदि शामिल थे। सौरभ जैन ने मंच संचालन किया। दिलीप भट्ट ने बताया कि इस दौरान कला प्रेमियों ने बच्चों को सराहा। उनके अभिनय के साथ आत्मविश्वास को देखकर हर कोई रोमांचित नजर आया।

JKK में 'हम भारत के लोग' का मंचन

संविधान की अवहेलना से उपजे सामाजिक हालातों पर कटाक्ष

बेधड़क | जयपुर

जवाहर कला केन्द्र की पाक्षिक नाट्य योजना में 'हम भारत के लोग' का मंचन किया गया तो कला प्रेमी रोमांचित और देश भक्ति में रचे-बसे नजर आए। अभिषेक गोस्वामी के नाटक में ब्रीदिंग स्पेस समूह के कलाकारों ने संविधान की अवहेलना से उपजे सामाजिक हालातों पर कटाक्ष किया।

निर्देशक अभिषेक ने बताया कि पूरी टीम की ओर से समाचार पत्रों में उठी खबरों पर विचार से उपजी कहानी ने 2 वर्ष पूर्व आकार लिया। कहानी इस बात की पड़ताल करती है कि संविधान में वर्णित भारत और हकीकत में कितना अंतर है। पहला परिदृश्य राजस्थान के गांव में रहने वाले रवि की कहानी है।

सरकारी नौकरी में कार्यरत रवि घोड़ी पर बैठकर बारात निकालना चाहता है। गांव के दबंग उसे ऐसा करने से मना करते हैं, जिससे द्वंद्व की स्थिति खड़ी हो जाती है। इधर, मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाली युवती नौकरी कर ख्वाबों को पूरा करने की चाह रखती है। एक दिन वह ज्यादती का शिकार हो जाती है।

परिजन पुलिस में शिकायत करने की जगह पीड़िता को ही घर की दहलीज में कैद कर देते हैं। वहीं, तीसरी कहानी असम के प्रियांशु की कहानी है। जयपुर में एक कैफे में क्षेत्रवाद की दुर्भावना से ग्रस्त भीड़ उसके साथ हिंसा पर उतारू हो जाती है।

कॉन्फ्रेंस 'मेकिंग राजस्थान ए यूएस डॉलर 350 बिलियन इकोनॉमी बाय-2030' पर चर्चा

स्वयं को चुनौती देने और बड़ी आकांक्षा रखने की जरूरत

बेधड़क | जयपुर

वर्क फोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। यदि महिलाएं सक्रिय रूप से भाग लें तो राज्य की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (जीडीपी) तेजी से बढ़ सकती है। यह सुझाव भारत में पीडब्ल्यूसी चेयरपर्सन संजीव कृशन ने कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के एनुअल डे पर 'मेकिंग राजस्थान ए यूएस डॉलर 350 बिलियन इकोनॉमी बाय 2030' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने खनिज

उद्योगों के लिए अपस्ट्रीमिंग और मूल्य संवर्धन की आवश्यकता पर सुझाव दिए। उन्होंने अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशन और बैटरी रीसाइक्लिंग सुविधाओं आदि जैसे सस्टेनेबिलिटी के लिए उठाए जा रहे कदमों पर ध्यान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

स्टार्टअप फाउंडर्स स्थानीय समुदायों से आते हैं

स्टार्टअप के एक सक्षम ईकोसिस्टम की आवश्यकता के बारे में बात करते हुए कृशन ने कहा कि कई स्टार्टअप फाउंडर्स राजस्थान के स्थानीय समुदायों से आते हैं। यह उद्यमशीलता कौशल और योग्यताओं वाला राज्य है, लेकिन वे बेहतर अवसरों के लिए दूसरे शहरों में चले जाते हैं। इन्हें राज्य से बाहर जाने से रोकने की जरूरत है, ताकि राजस्थान में स्टार्टअप्स की संख्या बढ़ सके। सीआईआई राजस्थान स्टेट काउंसिल चेयरमैन अभिनव बांठिया ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' कैम्पेन के कारण हम 350 बिलियन यूएस डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा हासिल करने में सक्षम होंगे।

सभी के लिए समान अवसर

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा कि आज सभी के लिए समान अवसर हैं। स्वयं को चुनौती देने, प्रेरणा देने और बड़ी आकांक्षा रखने की जरूरत है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिंदुस्तान जिंक वेदांता अरुण मिश्रा ने कहा कि उद्यमियों और व्यवसायियों की क्षमता पर विश्वास प्रदर्शित करने की आवश्यकता है, जो समय की मांग है

एमएसएमई अर्थव्यवस्था की बैकबोन

सोमानी सेरामिक्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्रीकांत सोमानी ने कहा कि एमएसएमई किसी भी अर्थव्यवस्था की बैकबोन है। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सबसे बड़ी बाधा मानसिकता में बदलाव है। व्यक्ति को आगे बढ़ने, काम करने के नए तरीकों और प्रौद्योगिकी को अपनाने की जरूरत है।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, शुक्रवार, 01 मार्च, 2024

10

अगर आपको पक्षियों की आवाज़ पसंद है तो पिंजरे मत बनाइए, पेड़ लगाइए।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

टेक्सास प्रांत के इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी आग से भभका 2070 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र

जंगलों में फैली आग से दहशत, सांसत में हजारों की जान

एजेंसी | कैनेडियन (अमेरिका)

टेक्सास पैनहैंडल के जंगलों में बुधवार को आग लग गई, जिसके कारण लोगों को प्रभावित क्षेत्र छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। इसके कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति काट दी गई जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए जबकि एक परमाणु हथियार इकाई को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा, क्योंकि तेज हवाओं, सूखी घास और बेमौसम गर्म तापमान के चलते आग तेजी से फैल रही थी। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने 60 काउंटी के लिए आपदा घोषित की है। स्मोकहाउस क्रीक में लगी आग प्रांत के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी जंगल की आग बन गई है। अमेरिका की परमाणु हथियार इकाई का कामकाज इसके चलते रोक दिया गया। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि आग किस कारण से लगी। हचिंसन काउंटी के लगभग 13000 लोगों वाले बोर्गर में एड्रियाना हिल का कहना था कि वह और उनका परिवार बहुत डरे हुआ थे क्योंकि हवा के रुख बदलने तक आग ने पूरे शहर को घेर लिया था।

तेज हवा से भड़की लपटें

हिल ने बताया कि यह आग बोर्गर के चारों ओर छल्ले की तरह थी, बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था...। सभी चार मुख्य सड़कें बंद थीं। आग की लपटें मेरे घर से लगभग 1.6 किलोमीटर के दायरे में आ गईं, जहां मैं अपने पति और 20 महीने के बेटे के साथ रहती हूं। जिस चीज ने हमें बचाया वह उत्तरी हवा थी... इसने इसे विपरीत दिशा में उड़ा दिया।

बारिश से मिल सकती है राहत

मौसम के पूर्वानुमान ने अग्निशामकों के लिए कुछ आशा प्रदान की है। ऐसा अनुमान जताया गया है कि बृहस्पतिवार को बारिश के साथ मौसम ठंडा रहेगा और हवा की गति तेज नहीं रहेगी। टेक्सास ए और एम वन सेवा की ओर से बुधवार तड़के जारी की गई ताजा जानकारी के अनुसार, हचिंसन काउंटी में स्मोकहाउस क्रीक आग ने लगभग 2070 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को जला दिया है। यह सोमवार के आकार से पांच गुना अधिक है, जब यह आग शुरू हुई थी।

हंगामा: पाकिस्तानी संसद में गूंजे चुनावी धांधली के नारे

सांसदों ने ली शपथ

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा नेशनल असेंबली का सत्र बुलाए जाने के बाद देश के नवनिर्वाचित सांसदों ने गुरुवार को शपथ ली। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवारों को आरक्षित सीट आवंटित करने के मुद्दे पर कार्यवाहक सरकार के साथ मतभेद के कारण अल्वी के शुरुआती इनकार के बाद नई संसद का पहला सत्र आयोजित किया गया।

पिछली संसद के निवर्तमान अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ की अध्यक्षता में 16वीं संसद का पहला सत्र एक घंटे से अधिक की देरी से शुरू हुआ। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सांसदों की आम चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ नारेबाजी के बीच अशरफ

ने नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई।

संसद में इन सांसदों ने जमकर हंगामा किया। सांसद इमरान खान को रिहा करने की मांग की तख्तियां लेकर संसद पहंचे। शपथ लेने वाले नए सांसदों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ, पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज शरीफ, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ जरदारी और पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी शामिल हैं। नवनिर्वाचित सांसद नेशनल असेंबली के नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करेंगे।

शहबाज का नेता चुना जाना तय

प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव शनिवार को होने की उम्मीद है और पीएमएल-एन तथा पीपीपी के बीच चुनाव बाद समझौते के तहत पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सदन का नया नेता चुना जाना तय है। चुनाव में पीटीआई पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली की सर्वाधिक 93 सीट जीती हैं। पीएमएल-एन ने 75 और पीपीपी को 54 सीट पर जीत मिली थी। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के खाते में 17 सीट आई थीं। इमरान खान और उनकी पार्टी ने जमकर धांधली के आरोप लगाए हैं।

स्वास्थ्य जांच के बाद डॉक्टरों का दावा

राष्ट्रपति जो बाइडेन पूरी तरह फिट

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए एक बार फिर मैदान में उतरने जा रहे राष्ट्रपति जो बाइडेन 81 वर्ष की उम्र में शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट हैं। व्हाइट हाउस ने बाइडेन के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी साझा की है। कहा गया है कि वह अपने कार्य के लिए पूरी तरह फिट हैं और जिम्मेदारियों को निष्पादित कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 81 वर्षीय बाइडेन को स्वास्थ्य संबंधी कोई भी गंभीर समस्या नहीं है। यह जांच राष्ट्रपति चुनाव से पहले की गई है।

नहीं होगा संज्ञानात्मक परीक्षण

अमेरिकी राष्ट्रपति के चिकित्सक डॉ. केविन ओ कानर ने कहा कि वह अब भी ड्यूटी के लिए फिट हैं। वाल्टर रीड राष्ट्रीय सैन्य चिकित्सा केंद्र से चेकअप कराकर लौटने के बाद उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने कहा है कि वह बहुत युवा दिखते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने कहा कि बाइडन के डाक्टरों ने संज्ञानात्मक परीक्षण नहीं करने का फैसला लिया है। इस परीक्षण की मांग उनके कई राजनीतिक विरोधी कर रहे हैं, जिनमें निक्की हेली भी शामिल हैं। जीन पियरे ने कहा कि राष्ट्रपति को संज्ञानात्मक परीक्षण की आवश्यकता नहीं है, यह मेरा आकलन नहीं है। ये राष्ट्रपति के डॉक्टर का आकलन है।

गाजा में फिर इजराइली हमला

50 लोगों की मौत

एजेंसी | राफा

गुरुवार को गाजा शहर में मानवीय सहायता की प्रतीक्षा कर रहे फिलिस्तीनियों की भीड़ पर इजरायली हमले में दर्जनों लोग मारे गए और कई घायल हो गए। स्थानीय अस्पताल के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। शिफा अस्पताल के नर्सिंग विभाग के प्रमुख डॉ. जदल्लाह शफाई ने अल जजीरा नेटवर्क को बताया कि हमले में लगभग 50 लोग मारे गए हैं और 250 घायल हुए हैं। इजरायली सेना ने कहा कि वह रिपोर्टों पर गौर कर रही है। वहीं, कमाल अदवान अस्पताल में एम्बुलेंस सेवा के प्रमुख फारेस अफाना ने कहा कि घटनास्थल पर पहुंचने वाले चिकित्सकों ने सैकड़ों लोगों को जमीन पर पड़ा हुआ पाया। उन्होंने कहा कि सभी मृतकों और घायलों को इकट्ठा करने के लिए पर्याप्त एम्बुलेंस नहीं थीं और कुछ को गधे द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों पर अस्पतालों में लाया जा रहा था।

अंतरिक्ष में टली दोनों के सैटेलाइट की टक्कर

टकराने से बाल-बाल बचे रूस-अमेरिका

एजेंसी | वॉशिंगटन

नासा का एक अंतरिक्ष यान पृथ्वी की निचली कक्षा में एक रूसी सैटेलाइट से टकराने से बच गया। इस घटना ने दिखा दिया है कि अंतरिक्ष में मौजूद कचरा कितना ज्यादा खतरनाक हो सकता है। नासा का थर्मोस्फीयर आयनोस्फीयर एनर्जेटिक्स एंड डायनेमिक्स (TIMED) मिशन अंतरिक्ष यान और रूस का कॉसमॉस 2221 सैटेलाइट 28 फरवरी को अमेरिकी समय के मुताबिक सुबह डेढ़ बजे एक दूसरे के करीब से गुजरे थे। तब यह दोनों अंतरिक्ष यान धरती से 600 किमी की ऊंचाई पर थे। दोनों इस दौरान टकराने से बच गए। TIMED अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल पर सूर्य के प्रभावों की निगरानी करता है। अगर टक्कर होती तो यह उपग्रह नष्ट हो जाता।

साथ ही अंतरिक्ष में भारी मलबा फैल जाता, जो बाकी सैटेलाइटों के लिए खतरनाक होता और भयानक टक्कर शुरू हो सकती थी। नासा और रक्षा विभाग के प्रतिनिधियों ने एक बयान में कहा, 'टकराव के परिणाम से बड़ा संख्या में मलबा पैदा हो सकता है।' पृथ्वी की निचली कक्षा (180-2000 किमी की ऊंचाई) में इस तरह के टकराव को केसलर सिंड्रोम कहा जाता है, जिसे 2013 की फिल्म ग्रेविटी में दिखाया गया था। इस फिल्म में मलबे ने पूरे स्पेस स्टेशन को नुकसान पहुंचाया था।

मलबे को खत्म करेंगे चार रोबोट

वर्तमान में वैज्ञानिक पृथ्वी के अंतरिक्ष कबाड़ की समस्या से निपटने के तरीकों पर काम कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों की एक टीम ने लेजर से विस्फोट करके अंतरिक्ष से छोटे कबाड़ को हटाने के प्रस्ताव रखा। जबकि यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ESA) ने अंतरिक्ष कबाड़ को पकड़ने के लिए चार रोबोट लॉन्च की योजना बनाई है। ESA 2025 में इस मिशन को लॉन्च करने को लेकर काम कर रहा है। ESA के महानिदेशक जॉन वॉर्नर ने सैटेलाइट लॉन्च करने वाली कंपनियों और एजेंसियों को कूड़ा साफ करने के लिए जिम्मेदार बनाने वाले नियमों का आह्वान किया है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl